दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 06
अंकः- 146
मुरादाबाद
(Wednesday)
16 September 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

राष्ट्रीय इंजीनियर दिवसः 'सपनों को हकीकत में बदलते हैं', पीएम मोदी की भारत रत्न विश्वेश्वरैया को श्रद्धांजलि

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय इंजीनियर दिवस पर देश के इंजीनियरों को बधाई दी और सर एम. विश्वेश्वरैया को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने इंजीनियरों को 'कर्मयोगी' बताते हुए कहा कि वे सपनों को हकीकत में बदलते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को %राष्ट्रीय इंजीनियर दिवस% के मौके पर महान भारतीय इंजीनियर और राजनेता सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया को श्रद्धांजलि दी। इसके साथ ही बेहतर भविष्य के लिए निर्माण, इनोवेशन और समाधान तैयार करने में इंजीनियरों के योगदान की सराहना की। प्रधानमंत्री मोदी ने क्या कहा?

- प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर देश भर के इंजीनियरों को बधाई दी और विश्वेश्वरैया को श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री ने कहा, सभी बेहतरीन इंजीनियरों को इंजीनियर्स डे की बधाई। वे लोग जो बेहतर कल के लिए निर्माण करते हैं, नई चीजें बनाते हैं और समाधान देते हैं। सर एम. विश्वेश्वरैया को श्रद्धांजलि, जिनकी इंजीनियरिंग की प्रतिभा और राष्ट्र-निर्माण की सोच आज भी प्रेरित करती है।%पीएम मोदी ने एक वीडियो भी शेयर किया जिसमें उन्होंने विचारों और आकांक्षाओं को ठोस उपलब्धियों में बदलने में इंजीनियरों की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्हें देश की प्रगति के लिए काम करने वाले कर्मयोगी बताया। इंजीनियर केवल मशीनें नहीं बनाते- उन्होंने कहा, इंजीनियर केवल मशीनें नहीं बनाते। वे कर्मयोगी हैं जो सपनों को हकीकत में बदलते हैं। मैं भारत के हर इंजीनियर की सराहना और प्रशंसा करता हूं। भारत में ऐसे कई इंजीनियर हुए हैं जिन्होंने अकल्पनीय को कल्पनीय में बदल दिया और ऐसे कारनामे किए जिन्हें इंजीनियरिंग की दुनिया में चमत्कार माना जाता है। वीडियो में और क्या है? वीडियो में, प्रधानमंत्री ने विश्वेश्वरैया की शानदार विरासत और भारत की इंजीनियरिंग विरासत में उनके योगदान को भी याद किया। पीएम मोदी ने आगे कहा, %महान इंजीनियरों की हमारी गौरवशाली विरासत में हमें एक अनमोल रत्न भी मिला, जिसके काम आज भी लोगों को आश्चर्यचकित करते हैं और वे थे भारत रत्न डॉ. एम. विश्वेश्वरैया। उनके नक्शेकदम पर चलते हुए, हमारे देश के इंजीनियरों ने पूरी दुनिया में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। क्यों मनाया जाता है राष्ट्रीय इंजीनियर दिवस?-पूरे भारत में हर साल 15 सितंबर को राष्ट्रीय इंजीनियर दिवस मनाया जाता है। यह दिन देश के प्रमुख सिविल इंजीनियर और जाने-माने राजनेता सर मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया की जयंती के उपलक्ष्य में मनाया जाता है, जिनके इंजीनियरिंग और राष्ट्र-निर्माण में दिए गए योगदान को आज भी याद किया जाता है। कौन थे मोक्षगुंडम विश्वेश्वरैया? - 15 सितंबर 1861 को जन्मे विश्वेश्वरैया, जिन्हें एम.वी. (M.V.) से भी जाना जाता है। उन्हें व्यापक रूप से आधुनिक मैसूर का जनक% माना जाता है। उन्होंने सार्वजनिक बुनियादी ढांचे की प्रमुख परियोजनाओं के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। भारत में इंजीनियरिंग उत्कृष्टता के एक स्थायी प्रतीक बन गए। सार्वजनिक परियोजनाओं, इंजीनियरिंग और समाज में उनके असाधारण योगदान के लिए विश्वेश्वरैया को 1955 में भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया गया था। उन्होंने मैसूर में कृष्ण राजा सागर बांध के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और बाढ़ से बचाव की जटिल प्रणालियों को डिजाइन करने और लागू करने में भी अहम भूमिका निभाई। भारत सरकार ने इंजीनियरिंग और राष्ट्र-निर्माण में विश्वेश्वरैया के असाधारण योगदान को देखते हुए 1968 में आधिकारिक तौर पर 15 सितंबर को राष्ट्रीय इंजीनियर्स डे घोषित किया।

संक्षिप्त समाचार

80 रुपये तक बढ़ेगा लखनऊ-कानपुर से बस का किराया, 60 किमी दूरी बढ़ी; अब इस रूट से जाएंगी बसें

कानपुर में पड़ने वाले जाजमऊ पुल की मरम्मत का काम शुरू होने के बाद इस रूट को भारी वाहनों के लिए प्रतिबंधित कर दिया गया है। जाजमऊ पुल की मरम्मत के चलते लखनऊ-कानपुर के बीच रोडवेज बसें करीब तीन महीने तक बदले रूट से चलेंगी। इससे लखनऊ-कानपुर की दूरी करीब 90 से बढ़कर 150 किलोमीटर हो सकती है। दूरी बढ़ने से यात्रियों को 80 रुपये तक अधिक किराया देना पड़ सकता है। हालांकि, किराये में बढ़ोतरी का फैसला रोडवेज प्रशासन के सर्वे के बाद होगा।अधिकारियों के मुताबिक, जाजमऊ के पुराने गंगा पुल पर मरम्मत कार्य शुरू हो गया है। इसके चलते 13 दिसंबर तक भारी वाहनों के साथ रोडवेज बसों का आवागमन भी प्रतिबंधित रहेगा। ऐसे में लखनऊ से कानपुर जाने वाली बसें उन्नाव के आगे गिंदनखेड़ा चौराहे से रायबरेली रोड होते हुए बक्सर पुल और फतेहपुर के रास्ते कानपुर जाएंगी।क्षेत्रीय प्रबंधक विमल राजन ने बताया कि आलमबाग से कानपुर जाने वाली बसों का रूट करीब तीन महीने तक बदला रहेगा। बसों को अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ेगी। डायवर्जन रूट पर जल्द सर्वे कराया जाएगा। अतिरिक्त दूरी के आधार पर किराये में बदलाव किया जाएगा।लखनऊ और कानपुर बस डिपो की 80 से अधिक साधारण और ई बसें इस रूट पर चलती हैं। इनसे रोजाना करीब 20 हजार यात्री सफर करते हैं। अभी नेशनल हाईवे से लखनऊ-कानपुर का बस किराया 138 रुपये है।

राजस्थान निकाय चुनावः बसपा के 19 पार्षद जीते; मायावती गदगद, बोलीं- आगे बड़े चुनावों में दिखेगा असर

राजस्थान निकाय चुनाव में बसपा के 19 पार्षद जीते हैं। चुनाव परिणाम से मायावती गदगद हैं। उन्होंने कहा कि आगे बड़े चुनावों में भी इसका असर दिखेगा। राजस्थान में हुए निकाय चुनाव में 19 सीटों पर बहुजन समाज पार्टी के पार्षदों ने जीत दर्ज की है।

इस पर बसपा सुप्रीमो मायावती ने खुशी जताते हुए पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को बधाई दी। उन्होंने कहा कि कई उम्मीदवार सरकारी मशीनरी की गड़बड़ी के कारण मामूली वोटों के अंतर से हार गए, अन्यथा पार्टी का प्रदर्शन और बेहतर हो सकता था।

मायावती ने सोशल मीडिया पर जारी संदेश में कहा कि राजस्थान निकाय चुनाव में बसपा ने इस बार 19 सीटों पर अपने पार्षद जिताकर भेजे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कई उम्मीदवारों को दोबारा मतगणना में कुछ वोटों के अंतर से हरा दिया गया। उनके मुताबिक, यदि ऐसा नहीं होता तो पार्टी का परिणाम और बेहतर हो सकता था।उन्होंने कहा कि इससे पहले पंजाब समेत देश के कुछ अन्य राज्यों में हुए स्थानीय निकाय चुनाव में भी बसपा का प्रदर्शन अच्छा रहा है। इन चुनावों में बेहतर परिणाम देने वाले पार्टी कार्यकर्ता और प्रत्याशी बधाई के पात्र हैं।विधानसभा और लोकसभा चुनाव में बेहतर परिणाम की उम्मीद- बसपा प्रमुख ने कहा कि पार्टी को उम्मीद है कि आगे होने वाले विधानसभा आम चुनाव और देश में लोकसभा आम चुनाव में भी ये सभी लोग पार्टी का बेहतर परिणाम लाने में योगदान देंगे। उन्होंने पार्टी के छोटे-बड़े सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को चुनाव में किए गए प्रयासों के लिए शुभकामनाएं दीं।

डिजिटल पेमेंटः सरकार का बड़ा एलान- 2000 तक के यूपीआई भुगतान पर कोई शुल्क नहीं लगेगा

डिजिटल पेमेंट को बढ़ावा देने की पहल के तहत सरकार ने बड़ा एलान किया है। वित्त मंत्रालय की तरफ से जारी अधिसूचना के मुताबिक 2,000 रुपये तक के यूपीआई भुगतान पर कोई शुल्क नहीं लगेगा।केंद्र सरकार ने सोमवार को स्पष्ट किया कि 2,000 रुपए तक के यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) लेनदेन पर बैंक किसी भी प्रकार का शुल्क नहीं लगा सकेंगे। इसी तरह, रुपे डेबिट कार्ड के जरिए 2,000 रुपए तक किए गए भुगतान पर भी कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। वित्त मंत्रालय की ओर से जारी राजपत्र (गजट) अधिसूचना के अनुसार, रुपे डेबिट कार्ड और 2,000 रुपए तक के यूपीआई लेनदेन को आधिकारिक रूप से इलेक्ट्रॉनिक भुगतान माध्यम के रूप में अधिसूचित किया गया है।अधिसूचना में कहा गया है कि कोई भी बैंक या भुगतान प्रणाली संचालक इन माध्यमों से भुगतान करने या प्राप्त करने वाले व्यक्ति से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से किसी प्रकार का शुल्क नहीं वसूल सकता। सरकार ने यह फैसला पेमेंट एंड सेटलमेंट सिस्टम्स एक्ट, 2007 के तहत अधिकारों का उपयोग करते हुए लिया है।यूपीआई लेनदेन पर शुल्क नहीं, सरकार ने दूर किया भ्रम-वित्त मंत्रालय ने कहा कि इस कदम का उद्देश्य यूपीआई लेनदेन पर लगने वाले संभावित शुल्कों को लेकर बनी भ्रम की स्थिति को दूर करना है। किए जाने वाले व्यक्ति-से-व्यक्ति (पी2पी) भुगतान पूरी तरह मुफ्त रहेंगे।गौरतलब है कि केंद्र सरकार ने शुल्क नहीं लेने का फैसला लेते हुए कहा था कि व्यापारियों (मर्चेंट्स) पर भी कोई व्यापक रूप से लागू होने वाला मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) नहीं लगाया जाएगा।

एआई कैसे बदलेगा युद्ध का तरीका?: रक्षा मंत्री बोले- आज की कल्पना बनेगी कल की सैन्य ताकत

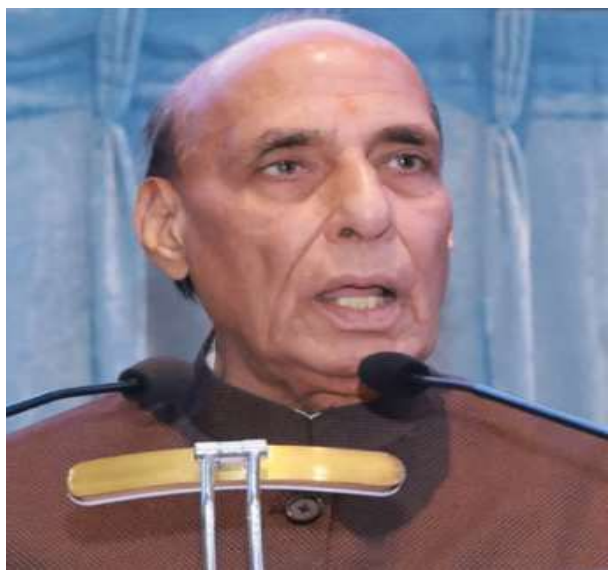

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने डीआरडीओ-इंडस्ट्री सिनर्जी मीट 'विमर्श 2026' में 2047 तक भारत को तकनीकी रूप से आत्मनिर्भर और रणनीतिक रूप से सुरक्षित बनाने में रक्षा क्षेत्र को केंद्रीय भूमिका देने पर जोर दिया। उन्होंने डीआरडीओ, बड़ी रक्षा कंपनियों, एमएसएमई और स्टार्टअप के बीच व्यापक साझेदारी की जरूरत बताईरक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार डीआरडीओ की ओर से आयोजित डीआरडीओ-इंडस्ट्री सिनर्जी मीट 'विमर्श 2026' को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि 2047 तक विकसित भारत का सपना केवल आर्थिक रूप से मजबूत देश बनाने तक सीमित नहीं है। इसका उद्देश्य ऐसा भारत बनाना है जो तकनीकी रूप से आत्मनिर्भर, सामाजिक रूप से समावेशी, पर्यावरण की दृष्टि से टिकाऊ और रणनीतिक रूप से सुरक्षित हो। भविष्य के युद्ध में तकनीकी बढ़त ही रणनीतिक बढ़त तय करेगी। आज हम जिस तकनीक की कल्पना कर रहे हैं, वही कल की सैन्य क्षमताओं का आधार बनेगी। इस व्यापक लक्ष्य को हासिल करने में रक्षा क्षेत्र की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है और यह इस विजन का 'आधार स्तंभ' है। 2047 तक रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता पर जोर- सिंह ने आगे कहा कि 2047 तक हमें महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों में आत्मनिर्भरता हासिल करनी होगी, स्वदेशी सामग्री के इस्तेमाल में उल्लेखनीय वृद्धि करनी होगी, रक्षा निर्यात को कई गुना बढ़ाना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में भारत की मजबूत मौजूदगी हो। इन लक्ष्यों को सहयोग के बिना हासिल नहीं किया जा सकता। इसके लिए रक्षा क्षेत्र से जुड़े सभी पक्षों के बीच साझेदारी और समन्वय को और मजबूत करना होगा।डीआरडीओ-उद्योग साझेदारी को उत्पादन से आगे ले जाने की जरूरत%- यह कार्यक्रम डीआरडीओ-इंडस्ट्री सिनर्जी मीट 'विमर्श 2026' के तहत नई दिल्ली स्थित डीआरडीओ भवन में आयोजित किया गया। सिंह ने कहा कि डीआरडीओ और उद्योग के बीच साझेदारी केवल उत्पादन तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। इसे अनुसंधान, डिजाइन, परीक्षण, प्रमाणन और विनिर्माण की पूरी मूल्य श्रृंखला तक विस्तार दिया जाना चाहिए। बड़ी कंपनियों के साथ-साथ एमएसएमई और स्टार्टअप को भी इस पूरी मूल्य श्रृंखला का अभिन्न हिस्सा बनाया जाना चाहिए।एआई और ड्रोन बदलेंगे भविष्य के युद्ध का स्वरूप- रक्षा मंत्री ने कहा कि उभरती प्रौद्योगिकियां, खासकर कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और ड्रोन, भविष्य के युद्ध में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। उन्होंने रक्षा क्षेत्र से तकनीकी नवाचार की गति तेज करने का आह्वान किया। आज हम देख रहे हैं कि एआई का इस्तेमाल ऐसी तस्वीर बनाने के लिए किया जा सकता है, जो 80 के दशक की प्रतीत होती है। असली खुशी तब होगी, जब हम आज से 40-50 साल आगे के भविष्य की तस्वीर पेश कर सकें।आज की कल्पना बनेगी कल की सैन्य क्षमता- सिंह ने कहा, %हम 40-50 साल बाद भारत को जैसा देखना चाहते हैं, उसकी कल्पना ही हमारे उत्साह को नई ऊर्जा देगी।% उन्होंने कहा कि जो कंपनियां नई और उभरती प्रौद्योगिकियों में निवेश करेंगी, वही भविष्य में तकनीकी नेतृत्व हासिल करेंगी। हमें केवल भविष्य की तकनीक की कल्पना नहीं करनी है, बल्कि भविष्य की तकनीक को आज ही विकसित करना है। क्योंकि भविष्य के युद्ध में केवल वही देश रणनीतिक बढ़त हासिल कर सकेगा, जो तकनीक के क्षेत्र में नेतृत्व करेगा। आज की हमारी कल्पना ही कल की सैन्य क्षमताओं का रूप लेगी।

2000 से ज्यादा के पेमेंट पर लगेगा चार्जः राहुल गांधी बोले - कंप्रोमाइज्ड पीएम ने अमेरिका के सामने किया सरेंडर

राहुल गांधी ने 2,000 से अधिक के मर्चेंट यूपीआई लेनदेन पर भविष्य में एमडीआर लगाए जाने की संभावित गुंजाइश को लेकर मोदी सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने आरोप लगाया है कि इसका अप्रत्यक्ष बोझ ग्राहकों पर पड़ सकता है। वहीं, सरकार ने स्पष्ट किया है कि 2,000 तक के UPI और रुपे डेबिट कार्ड भुगतान पर कोई शुल्क नहीं लगेगा।लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने यूपीआई लेनदेन पर संभावित मर्चेंट डिस्काउंट रेट को लेकर मोदी सरकार पर निशाना साधा है। मंगलवार को एक्स पर किए एक पोस्ट में उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार 2,000 से अधिक के मर्चेंट यूपीआई लेनदेन पर एमडीआर लगाने का रास्ता खोल रही है। राहुल गांधी के मुताबिक, ऐसे लेनदेन की संख्या भले ही कुछ के कुल लेनदेन का करीब 5% हो, लेकिन इनका हिस्सा कुल ट्रांजैक्शन वैल्यू में लगभग 65% है। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर ग्राहक से सीधे कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा, तो दुकानदार पर लगने वाली फीस का बोझ आखिरकार किसकी जेब पर पड़ेगा।दुकानदार से ली गई फीस का बोझ ग्राहक पर आएगा राहुल गांधी का तर्क है कि सरकार भले ही कह रही हो कि आम ग्राहक से कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा, लेकिन व्यापारी पर लगने वाली फीस का असर अंततः ग्राहकों पर ही पड़ सकता है। उनके मुताबिक, दुकानदार इस अतिरिक्त लागत को वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों में शामिल कर सकते हैं और इस तरह अप्रत्यक्ष रूप से इसका भार ग्राहक की जेब पर पड़ेगा। अमेरिकी कंपनियों के दबाव का भी लगाया आरोप-राहुल गांधी ने अपने बयान में अमेरिकी भुगतान कंपनियों का भी जिक्र किया। उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिकी पेमेंट कंपनियां लंबे समय से भारत की जीरो-एमडीआर नीति का विरोध करती रही हैं। अब मोदी सरकार ऐसी नीति की दिशा में कदम बढ़ा रही है, जिससे यूपीआई पर शुल्क लगाने का रास्ता खुल सकता है। यूएस ट्रेड डील से जोड़कर मोदी सरकार पर हमला- राहुल गांधी ने इस मुद्दे को अमेरिका के साथ व्यापार समझौते से भी जोड़ते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि यूएस ट्रेड डील की तरह ही प्रधानमंत्री मोदी एक बार फिर अमेरिकी दबाव के सामने झुक रहे हैं। अपने बयान में राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री को कंप्रोमाइज्ड पीएम कहते हुए उन पर अमेरिकी दबाव के आगे सरेंडर करने का आरोप लगाया।सरकार ने साफ की स्थिति-केंद्र सरकार ने सोमवार को स्पष्ट किया कि 2,000 तक के यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (PI) लेनदेन पर बैंक किसी भी प्रकार का शुल्क नहीं लगा सकेंगे। इसी तरह रुपे डेबिट कार्ड के जरिए 2,000 तक किए जाने वाले भुगतान पर भी कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। 2,000 तक के UPI लेनदेन को आधिकारिक रूप से इलेक्ट्रॉनिक भुगतान माध्यम के रूप में अधिसूचित किया गया है।

संपादकीय Editorial

New Presentation for Airport Expansion

Finally, the Gaggal Airport expansion file is coming to the attention of the central government, and the ambitious project has reached the point of a techno-economic feasibility report. One aspect of Chief Minister Sukhvinder Singh Sukhu's fruitful discussions with Union Civil Aviation Minister Kinjarapu Rammohan Naidu is that Gaggal Airport expansion is now on the verge of becoming a reality. Despite a very difficult terrain, the current government decided to make this airport a national-scale landmark, and now, as discussions with the central government are underway, most of the land acquisition work has been completed. Now, positioning the airport as a symbol of economic power, the state government has begun work on the road corridor and aerocity framework around it. 9.4 hectares of land will be acquired for the ring road around the airport, and 65 hectares for the aerocity. The airport expansion has many dimensions and facets. Prioritizing the humanitarian aspect, the government has envisioned providing all possible relief to those affected by displacement. However, only upon completion of the project will we truly understand the true balance of justice. The state's development landscape is now at a stage where the struggle between displacement and rehabilitation is growing. The four-lane project's eroded soil has destroyed many homes, settlements, and businesses. In this context, Gaggal Airport will undoubtedly evoke a sense of melancholy in the stories of its past. However, the ambitious approach to the Gaggal Airport expansion proposal has been addressed by the Union Minister. Indeed, in the past few years, air travel through Gaggal Airport in Himachal Pradesh has skyrocketed.

While many airports developed with central funding have failed to achieve operational viability and closed, traffic here has increased. If tickets to Dharamshala are being sought on important flights connecting Noida Airport, this demand holds significance. Direct connectivity to Jammu would be a significant achievement in this endeavor. Considering the geographical conditions of Himachal Pradesh, the prospects for air services here could be brightened by UDAN services. The state government has initiated a series of heliport construction projects, which can be completed with time and with the support of the central government. Under the UDAN scheme, not only is air services expected to increase from Chandigarh, Shimla, Kullu, and Gaggal, but several important cities could also be connected via helitaxi. Expanding helicopter services to Mandi, Hamirpur, Chamba, Rampur Bushahr, Bilaspur, and tribal areas in Himachal Pradesh would provide a new impetus to the tourism industry. If the Union Minister agrees to further action regarding Gaggal Airport, it could transform the air travel landscape in Himachal. Clearly, the expansion of Gaggal Airport will transform the tourism potential, potential, and success criteria in Himachal. This project will prove, over the centuries, that some government has set a milestone. Himachal of the next century needs all kinds of connectivity and in this regard, apart from the airport and four-lane expansion, the train which now reaches Amb will have to be diverted towards Kangra, Hamirpur, Mandi and Bilaspur.

Cinema made Hindi the language of the masses.

Hindi cinema freed the language from academic burdens and made it accessible to the masses, making it a language of conversation and emotions. Hindi cinema freed the language from the burden of grammar.

Film songs and dialogues brought Hindi to the masses. Cinema made Hindi a language of conversation and emotions. One day, during a TV debate, the anchor asked me, "So many people are changing parties and getting high positions—do you have any thoughts of leaving the Congress?" I could have given a lengthy answer, but what came out of my mouth spontaneously was, "How can I give up the love of the Congress? I've been searching for it for a lifetime." It must have happened to all of us countless times that we've responded to a question with a line from a film song or a powerful dialogue.

There are few who haven't played antakshari with film songs or learned dumb charades to recognize the names of films. Hindi films saved Hindi expression from monotony. They not only spoke Hindi, but also made it resonate across the country. Cinema freed Hindi from the heavy burden of grammar books and academic debates. Hindi cinema laid the groundwork for Hindi to stand where it is today, and created a distinct Hindi community not only across the country but across the world.

My uncle, environmentalist Anupam Mishra, used to say, "Language doesn't just mean tongue; language is also our heart and mind." To penetrate the hearts and minds of this vast Hindi-speaking and non-Hindi speaking community, Hindi cinema shed its figurative and complex garb and embraced it in a simple language. "Expression such that the heart agrees/ Language such that everyone understands" became its motto. This is why, despite all the opposition and controversies surrounding the language, Hindi cinema continued to grow and pave the way for the language. For a long time, non-Hindi speaking people dominated the Hindi film industry in Bombay.

Like Bimal Roy, Mehboob Khan, Guru Dutt, Shashadhar Mukherjee, Lata Mangeshkar, Shamshad Begum, Geeta Dutt, Rafi, Kishore, Talat Mahmood, Manna Dey, Hemant Kumar. At one time, Manto, Rajendra Singh Bedi, Rahi Masoom Raza, Shakeel, Sahir, Shailendra, Majrooh Sultanpuri, and others together created a Hindi that was universally embraced. It blended the elegance of Urdu, the sweetness of regional dialects, and over time, easily adopted English words. This openness lifted Hindi from the confines of the elite and made it the heartbeat of the masses. Hindi cinema also gave the language the flexibility it needed to be hummed with ease, from the beaches of the far south to the mountains of the northeast.

Film songs also supported the Hindi language fully. There is a song for every joy and sorrow, every season, every festival. Such as "Sathi haath badhana...", "Dum-dum deega deega mausam bhiga-bhiga...", "Holi ke din dil khil jaate hain...". With the advent of film music, songs, ghazals, and qawwalis blended like milk and sugar. Such as "Parda hai parda...", "Kisi nazar ko tera intezaar aaj bhi hai...". Some songs and idiomatic lines penetrated directly into the heart and mind. Such as "I kept on supporting life...".

Not only this, Hindi films also strengthened religious faith without any discrimination. Songs like "Sai Baba of Shirdi - aaya hai tere dar pe sawali...", "Tune mujhe bulaya sherawaliye...", "Khwaja mere Khwaja..." etc. became popular. There was also no shortage of songs that strengthened moral strength, such as "Give us this power, Data...", "Aye Malik, we are your servants...". The beauty of all these songs was that they didn't need to be memorized; they were automatically etched in our memory.

Good and bad films have been made in every era. Even today, good films with new plots and a fresh language are being made, while the trend of bad and worn-out films continues. But there was a precious time when films gave us some values ??that strengthened our civilization and heritage. "Ae mere watan ke logon..." is a unique song that reminds us of patriotism and the supreme sacrifice of soldiers.

"Mother India" presents a wonderful juxtaposition of the hardworking Indian woman with the struggle of the common woman of the country. Shailendra's song "Har jor ujulm ??ki takkar mein sangarsh humara nara hai..." truly became a slogan, while "Bahut kathin hai dagar panghat ki..." became a proverb. Whether it was the wonderful line "Pyar kiya to darna kya" or the famous dialogue from "Deewar" "Mere paas maa hai," the film industry has done a favor in preserving and enhancing Hindi.

While the primary purpose of Hindi films is entertainment, Hindi cinema certainly democratized the language. It didn't allow Hindi to remain confined to a rulebook, but instead transformed it into a language of conversation, emotion, and collective memory, where people of every caste, religion, region, and language could express their joys and sorrows, love, separation, humor, and struggle. But is Hindi cinema's simple, delicate vocabulary, which once infused the Hindi language with sweetness, now making it bitter with its pompous and artificial words? Is the Hindi language becoming alien in its own backyard? I leave it to the reader's discretion.

The judiciary must distinguish between freedom and anarchy.

Nearly 77 years later, this warning confronts us with a new question. Dr. Ambedkar's "grammar of anarchy" warning remains relevant today. The judiciary must clearly distinguish between legitimate dissent and criminal conduct. The use of Article 142 should be an exception, not a general requirement. In his final address to the Constituent Assembly, Dr. Bhimrao Ambedkar issued a warning for Indian democracy that not only remains relevant today but has also increased. He argued that resorting to unconstitutional means when constitutional means are available to achieve one's objectives is the "grammar of anarchy."

Nearly 77 years later, this warning confronts us with a new question: How can we maintain a clear line between legitimate dissent and unlawful mass pressure while protecting civil liberties? And are we, in attempting to avoid the "grammar of anarchy," or the jurisprudence of anarchy? Recent events have made this question crucial. It's not a settled legal concept, but a cautionary metaphor. It implies the possibility of a situation where individual legal responsibility is weakened while protecting collective dissent.

First, it's clear that dissent is not anarchy. Article 19 of the Constitution guarantees freedom of expression and peaceful and unarmed assembly. Criticism of the government, opposition to policies, sit-ins, slogans, and public opinion-building are natural components of democracy. Questioning power is not anti-democracy, but its essential condition. In a system where there is insufficient space for dissent, freedom may remain protected within the pages of the Constitution, but its meaning in public life begins to diminish. But freedom cannot be above the law. It's essential to maintain a distinction between peaceful protest and violence, criticism and intimidation, political mobilization and destruction of public property.

Participation in a movement may not be a crime in itself, but a specific crime committed under the guise of a movement cannot be absolved of its collective significance. It is against this yardstick that the Supreme Court's September 1 decision, which quashed the FIRs filed under Article 142 related to the student protests between July 20 and 25, should be viewed. The Court exercised its extraordinary constitutional power, taking into account the future of the students and the peaceful nature of the protests. It also left open the door for investigation into serious criminal charges against 2,873 individuals. A significant aspect of this decision is that it maintained the distinction between mass demonstrations and individual criminal conduct.

Participation in demonstrations and a specific crime committed by an individual are not the same thing. Maintaining this distinction in a democracy is as crucial as protecting the right to dissent. However, the decision also raises a significant constitutional question about the limits of Article 142. The Supreme Court has been given the power to dispense "complete justice" because ordinary legal remedies may not be sufficient in extraordinary circumstances. However, this power complements justice, not replaces the law. Its exercise can remedy a specific injustice, but cannot create a general principle that undermines the obligations of law or individual criminal responsibility. Complete justice does not mean abandoning the law, but rather striking a balance between the specifics of the case and the general discipline of law. The credibility of Article 142 lies in ensuring that its exceptional application remains an exception, not a general expectation. If relief granted in a particular circumstance is subsequently seen as a legal defense for every mass movement, the judicial exception may gradually become the general expectation.

धमाकों से दहला रामपुर दोराहा, दो किमी तक धुआं ही धुआं, 50 फीट ऊंची लपटें; मुरादाबाद अग्निकांड की कहानी

मुरादाबाद में रामपुर दोराहा गोट रोड स्थित एक्सपोर्ट फर्म आरएच इंटरनेशनल में सोमवार सुबह भीषण आग लग गई। अफरातफरी में 50 फीट ऊंचाई तक उठ रही लपटों के बीच फैक्टरी में काम कर रहे 600 कर्मचारियों की जान जैसे-तैसे बच सकी। इस दौरान फैक्टरी में रखे गैस सिलिंडर, थिनर, पेंट के डिब्बे व अन्य केमिकल डिब्बों में धमाकों से पूरा इलाका गूंज उठा। दो घंटे तक रुक-रुककर धमाके होते रहे। मुरादाबाद में रामपुर दोराहा गोट रोड स्थित फैक्टरी में विस्फोटों की आवाज से दो किलोमीटर के दायरे में रहने वाले लोग दहशत में आ गए। कुछ देर बाद पता चला कि विस्फोटों की आवाज गैस सिलिंडर के फटने की वजह से हो रही है। आग के चलते विदेशों में निर्यात के लिए रखे उत्पाद जलकर नष्ट हो गए।

गोट रोड पर स्थित आरएच इंटरनेशनल फैक्टरी रिहायशी इलाके के पास है लेकिन फैक्टरी का परिसर खाली है। इसी कारण आग रिहायशी इलाकों तक नहीं पहुंच सकी। फैक्टरी के पास के रहने वाले इस्लाम ने बताया कि पहले कभी ऐसा अग्निकांड नहीं हुआ था। फैक्टरी में विस्फोट की आवाज सुनकर नींद टूट गई। फैक्टरी पर मौजूद लोगों का कहना था कि दो किमी दूर तक आग का धुआं दिखाई दे रहा था। करूला निवासी तनवीर का कहना था कि रामपुर रोड पर लगातार विस्फोट की आवाज सुनने के बाद वह यहां देखने के लिए चला आया था।क्षेत्र के लोग काफी दहशत में आ गए थे। इधर फैक्टरी के कर्मचारियों का कहना था कि सप्लाई के लिए काफी माल रखा था। कर्मचारी उसे पैक कर रहे थे। फैक्टरी का माल अमेरिका सहित अन्य देशों में निर्यात किया जाता है। आग से सबकुछ जलकर नष्ट हो गया है।बोले कर्मचारी- ऊपर वाले की मेहरबानी से बच गई जान- रामपुर दोराहा गोट रोड स्थित फैक्टरी में आग लगने के बाद कर्मचारियों में अफरा तफरी मच गई। कर्मचारियों का कहना था कि ऊपरवाले की मेहरबानी से जान बच गई। इस दौरान फैक्टरी प्रबंधन ने भी समय से सूचना देकर सभी को बाहर निकालने में काफी मदद की है। फैक्टरी में धुएं के बीच से बचकर निकले बिलारी शाहाबाद रोड निवासी रेहान पाशा, दीवान का बाजार निवासी मो. फहीम का कहना था कि घटना के समय कुछ सूझ नहीं रहा था। सायरन बजने के बाद सभी साथियों के साथ बाहर निकल गएकुंदरकी निवासी राशिद का कहना था कि ऊपरवाले की मेहरबानी से किसी कर्मचारी को चोट नहीं लगी।

हरथला के इमरान और मूंढापांडे के पुनीत का कहना था कि चारों तरफ अफरा तफरी के बीच प्रबंधन ने सही समय पर आवश्यक कार्रवाई की। इस कारण सभी कर्मचारी समय रहते बाहर निकल गए।अन्यथा अंदर आग से कुछ भी हो सकता था। फैक्टरी के प्रबंधन से जुड़े सरफराज हुसैन और मो. जफीर का कहना था कि आग लगने पर भी तीनों विभागों की छानबीन कराई गई ताकि कोई कर्मचारी अंदर फंसा न रहे। इस बीच स्थानीय तंजील अहमद और फरहान कुरैशी ने भी कर्मचारियों का काफी सहयोग किया। घटना के दौरान अग्निशमन विभाग के अधिकारियों ने भी अंदर जाकर पूरी तहकीकात की है। बाहर भेजने का सामान और फर्नीचर राख- आग में बाहर भेजने के लिए फैक्टरी में तैयार रखे गए फर्नीचर, कांच के लैंप व अन्य सामानों को नुकसान पहुंचा है। सब जलकर राख हो गए हैं। फैक्टरी प्रबंधक मंजर आलम का कहना है कि नुकसान का आकलन किया जा रहा है। अभी कितना नुकसान हुआ है, इसके बारे में कह पाना संभव नहीं है। मार्केटिंग मैनेजर मो. जफीर का दावा है कि करोड़ों की क्षति हुई है। लेकिन गनीमत है कि कोई जनहानि नहीं हुई। सभी कर्मचारी सुरक्षित बाहर निकाल लिए गए। घटनास्थल पर उमड़ी भीड़

फैक्टरी में आग लगने की जानकारी मिलने के बाद घटनास्थल पर भीड़ उमड़ गई। इस दौरान कटघर थाने की पुलिस को भीड़ को हटाने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी। बार-बार भीड़ अंदर घुस जा रही थी। रास्ते में भी कुछ लोगों ने वाहनों को खड़ा कर दिया था। इस कारण अग्निशमन की गाड़ियों को आने-जाने में दिक्कत हो रही थी।

पैकिंग से शुरू आग फर्नीचर गोदाम तक पहुंची- फैक्टरी में आग पहले पैकिंग विभाग में लगी। इसके बाद लैंप विभाग से होते हुए फर्नीचर विभाग तक पहुंच गई। फैक्टरी के कर्मचारियों ने बताया कि इसी कारण कर्मचारियों को बाहर निकलने का मौका मिल गया। थोड़ी देर होने पर स्थिति बिगड़ सकती थी। तीनों विभागों में आग फैलने के बाद बेकाबू हो गई।5000 फैक्टरियां हैं जिलेभर में, फायर एनओसी सिर्फ 1200 के पास- मुरादाबाद जिले में छोटी-बड़ी करीब पांच हजार फैक्टरियां और कारखाने संचालित हैं। जहां हजारों कर्मचारी और मजदूर काम करते हैं, जहां इनकी जान जोखिम में रहती है। वजह साफ है, पांच हजार में सिर्फ 1200 फैक्टरियों और कारखानों के पास ही फायर की एनओसी है। ऐसे में यहां आग लगी तो उसे बुझाना मुश्किल होगा। सोमवार सुबह करीब 11 बजे आरएच इंटरनेशनल फैक्टरी में आग लग गई। गनीमत रही कि कोई जन हानि नहीं हुई। इस आग की आंच में सरकारी व्यवस्था करीब एक हफ्ते तपेगा। जैसा हर अग्निकांड के बाद होता है वैसे ही इस बार भी होगा। आने वाले करीब एक हफ्ते फैक्टरियों और कारखानों में फायर एनओसी की जांच होगी। नोटिस जारी किए जाएंगे। दबाव बढ़ने पर कुछ फैक्टरी और कारखाना संचालक एनओसी भी लेंगे। लेकिन हफ्तेभर बाद व्यवस्था जस की तस हो जाएगी। अगर ऐसा नहीं होता तो सिर्फ 1200 फैक्टरियों और कारखानों के पास ही फायर एनओसी नहीं होती, बल्कि जिले में संचालित छोटी-बड़ी पांच हजार फैक्टरियों और कारखानों के पास भी फायर एनओसी होती। ऐसे में जिम्मेदारों की कार्यप्रणाली सवालों के घेरे में है। बाकी फैक्टरियां और कारखाने बिना फायर एनओसी के कैसे संचालित हैं। शायद जिम्मेदार किसी बड़े हादसों के इंतजार में हैं। वैसे तो जिले में करीब एक लाख इकाइयां संचालित हैं। इसमें फैक्टरियां, कारखाने, यूनिट, घरों और दुकानों में चलने वाली इकाइयां भी शामिल हैं। लेकिन जिले में पांच हजार फैक्टरियां और कारखाने ऐसे हैं जहां बड़े पैमाने पर काम होते हैं। यहां कर्मचारियों की संख्या भी काफी होती है। - योगेश कुमार, संयुक्त आयुक्त उद्योग - 1200 फैक्टरियों और कारखानों ने विभाग से फायर एनओसी ली है। बीच-बीच में अभियान चलाकर फैक्टरियों में आग बुझाने के उपकरणों की जांच की जाती है। - डॉ. राजीव पांडेय, मुख्य अग्निशमन अधिकारीएक्सपोर्ट फैक्टरी में भीषण आग, जैसे-तैसे बचीं 600 की जान- मुरादाबाद कटघर की घटना, 50 फीट ऊंची लपटों के बीच दो घंटे तक ताबड़तोड़ धमाके- मुरादाबाद में रामपुर दोराहा गोट रोड स्थित एक्सपोर्ट फर्म आरएच इंटरनेशनल में सोमवार सुबह भीषण आग लग गई। अफरातफरी में 50 फीट ऊंचाई तक उठ रही लपटों के बीच फैक्टरी में काम कर रहे 600 कर्मचारियों की जान जैसे-तैसे बच सकी। इस दौरान फैक्टरी में रखे गैस सिलिंडर, थिनर, पेंट के डिब्बे व अन्य केमिकल डिब्बों में धमाकों से पूरा इलाका गूंज उठा। दो घंटे तक रुक-रुककर धमाके होते रहे। इससे फैक्टरी के शीशे टूटकर दूर तक बिखर गए। दो किलोमीटर दूर तक धुएं का गुबार उठता दिखा। मुरादाबाद व आसपास के जिलों की 18 दमकल गाड़ियों ने आठ घंटे के प्रयास के बाद आग पर काबू पाया। घटना सुबह 11.15 बजे की है। आग लगते ही फैक्टरी में खतरे का सायरन बजा दिया गया। इसके साथ ही अफरातफरी मच गई। वहां काम कर रहे कर्मचारियों ने भागकर गिरते-पड़ते खुद को बचाया। घटना में फैक्टरी की मशीनें और सामान जलकर बर्बाद हो गए। फायर ब्रिगेड घटना के कारणों का पता लगा रही है। सूर्यांश कॉलोनी निवासी निर्यातक मो. तस्लीम हुसैन की रामपुर दोराहा गोट रोड पर आरएच इंटरनेशनल फर्म के नाम से फैक्टरी है। सोमवार की सुबह फैक्टरी के पैकिंग विभाग में अचानक धुआं उठने पर कर्मचारी घबरा गए। फिर लपटों को देखते ही वह शोर मचाते हुए भागने लगे। घटना की जानकारी मिलने पर प्रबंधक मंजर आलम, एचआर प्रबंधक प्रताप सिंह ने खतरे का सायरन बजाया तो काम कर रहे अन्य कर्मचारी भी निकलकर भागने लगे। अफरातफरी के बीच भागते समय कुछ कर्मचारी गिर गए। एचआर प्रबंधक का कहना था कि सभी कर्मचारियों की जान बच गई है। घटना की सूचना मिलने के बाद 11.40 बजे फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची। उस समय आग की लपटें बेकाबू होकर फैक्टरी की तीन मंजिला छत से ऊपर उठ रही थीं। फायर ब्रिगेड की तीन गाड़ियों से पानी की बौछार की गई तो आग की लपटें और तेजी के साथ फैलने लगीं। जिले की 12 गाड़ियों के अलावा रामपुर, संभल व अमरोहा से भी गाड़ियां बुला ली गईं। कुल 18 गाड़ियां आग बुझाने में जुट गईं। एक ओर आग पर काबू पाया जाता तो दूसरी ओर से लपटें तेज हो जातीं। लगभग आठ घंटे बाद शाम सात बजे आग पर काबू पाया जा सका।थिनर से रह-रहकर आग हो रही थी तेज- फैक्टरी में रखे थिनर के चलते आग रह-रह कर तेज हो रही थी। आग पर काबू पाने के लिए जेसीबी से फैक्टरी की दीवार तोड़ दी गई। साथ ही फैक्टरी में टिनशेड को धराशायी कर दिया गया। केमिकल की आग के लिए 200 लीटर फोम का हुआ प्रयोग- केमिकल की आग बुझाने के लिए फायर ब्रिगेड की टीमों ने 200 लीटर फोम का प्रयोग किया। इस बारे में सीएफओ डॉ. राजीव पांडेय का कहना है कि थिनर की आग को बुझाना कठिन होता है। इसी कारण फोम का प्रयोग किया गया। फैक्टरी में डीजल-पेट्रोल, पेंट सहित कई प्रकार के ज्वलनशील पदार्थ पाए गए हैं। फैक्टरी की एनओसी है। सुरक्षा के लिए फैक्टरी की ऑडिट की गई थी। घटना के कारणों का पता नहीं चल सका है।

सड़क हादसे में सिपाही समेत दो की जान गई, रामपुर जिले में तैनात थे सचिन, ड्यूटी से लौटते समय दुर्घटना

रामपुर में ड्यूटी पूरी कर बाइक से कमरे पर लौट रहे हसनपुर निवासी सिपाही सचिन कुमार की सड़क हादसे में मौत हो गई। सचिन मिलक थाने में तैनात थे और गणेश चतुर्थी पर ड्यूटी लगी थी। उधर सैदनगली निवासी गौरव कुमार की भी दूसरे हादसे में जान चली गई।हसनपुर कोतवाली क्षेत्र के गांव रुखालू निवासी किसान सोमपाल सिंह के बेटे सचिन कुमार 29 की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। सचिन उत्तर प्रदेश पुलिस में सिपाही के पद पर जनपद रामपुर के थाना मिलक में तैनात थे। सचिन के बड़े भाई लेखपाल बॉबी गौतम ने बताया

कि सोमवार को सचिन की ड्यूटी गणेश चतुर्थी पर्व के मद्देनजर लगी हुई थी।

ड्यूटी पूरी करने के बाद वह बाइक से थाना शहजाद नगर स्थित अपने कमरे पर वापस लौट रहे थे। रास्ते में अन्य वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि सिपाही सचिन कुमार की मौके पर ही मौत हो गई। सचिन की पत्नी भानु भी उत्तर प्रदेश पुलिस में सिपाही हैं और वर्तमान में रामपुर के ही थाना शहजाद नगर में ही तैनात हैं।सचिन और भानु की शादी लगभग दो वर्ष पूर्व हुई थी और वर्तमान में उनकी पत्नी गर्भवती हैं। सिपाही की अचानक हुई मौत की खबर जैसे ही उनके गांव रुखालू पहुंची, पूरे गांव में सन्नाटा पसर गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।सैदनगली के युवक की सिंभावली में मौत, तीन घायल

सोमवार शाम दिल्ली मंडी में खीरे बेचने जा रहे सैदनगली के युवक की सड़क हादसे में मौत हो गई जबकि उसके तीन साथी गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसा गाड़ी का अगला टायर फटने के कारण हुआ। बताते हैं कि सैदनगली के मथना रोड निवासी रूप किशोर का बेटा गौरव कुमार (18) सोमवार शाम अपने साथियों के साथ पिकअप में खीरे लादकर दिल्ली की मंडी जा रहे थे।

जैसे ही उनकी गाड़ी नेशनल हाईवे पर सिंभावली के पास पहुंची, अचानक पिकअप का अगला टायर फट गया। टायर फटने से तेज रफ्तार गाड़ी अनियंत्रित होकर पलट गई। इस भीषण हादसे में गौरव कुमार की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं गाड़ी में सवार उनके तीन साथी पप्पू, हरि किशोर और योगेश बुरी तरह घायल हो गए। राहगीरों की मदद से तीनों घायलों को तुरंत सिंभावली के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। मृतक गौरव तीन भाइयों में सबसे छोटा था। उसकी मौत की खबर घर पहुंचते ही परिवार में कोहराम मच गया और माता-पिता का रो-रोकर बुरा हाल है। पोस्टमार्टम के बाद शव को गांव लाया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

चार को सात-सात साल की सजा: प्रतिबंधित पशु का किया था वध, तीन-तीन लाख का जुर्माना भी लगा

डिलारी थाना क्षेत्र में प्रतिबंधित पशु के वध के मामले में अदालत ने चार आरोपियों को दोषी ठहराया है। अपर सत्र न्यायाधीश कोर्ट संख्या-3 ने सभी को सात-सात साल की सजा और तीन-तीन लाख रुपये जुर्माने से

दंडित किया है। जुर्माना न देने पर छह-छह माह की अतिरिक्त सजा होगी।अपर सत्र न्यायाधीश कोर्ट संख्या-3 सुरेंद्र कुमार की अदालत ने सुनवाई के बाद डिलारी थाना क्षेत्र में प्रतिबंधित पशु के वध के मामले में चार आरोपियों को दोषी ठहराया है। अदालत ने दोषियों को सात-सात साल के कारावास और तीन-तीन लाख रुपये जुर्माने से दंडित किया है। डिलारी थाना क्षेत्र में 26 अक्तूबर 2022 को दरोगा मोहित कुमार काजला को सूचना मिली थी कि सुमालखेड़ा के जंगल में पिराई वाले कुंडे के पास प्रतिबंधित पशु का कुछ लोग वध कर रहे हैं। पुलिस ने मौके से फुरकान और वाजिद को हिरासत में ले लिया, लेकिन खालिक और राहत अली उर्फ लल्ला मौके से भाग निकले।पुलिस ने घटनास्थल से करीब 80 किलोग्राम मांस और पशु के अवशेष के साथ एक कुल्हाड़ी और दो छूरियां बरामद की थी। बाद में विवेचना के दौरान खालिक और राहत अली के नाम भी प्रकाश में आए थे। पुलिस ने चारों के खिलाफ उत्तर प्रदेश गोवध निवारण अधिनियम की धारा 3/5/8 के तहत आरोप पत्र अदालत में दाखिल किया था।कोर्ट ने सोमवार को दोनों पक्षों को सुनने के बाद साक्ष्यों के आधार पर चारों आरोपियों को दोषी ठहराया। अदालत ने सभी दोषियों को सात-सात साल कारावास और तीन-तीन लाख के अर्थदंड से दंडित किया। जुर्माना जमा नहीं करने पर प्रत्येक दोषी को छह-छह माह की अतिरिक्त सजा देने के आदेश दिए हैं।

CM योगी का सख्त आदेश बेअसर? मुरादाबाद की खस्ताहाल सड़कों पर मंडरा रहा हादसों का खतरा!

मुरादाबाद की ग्रामीण सड़कें बारिश के कारण खस्ताहाल हो गई हैं, जिससे गहरे गड्ढे हादसों की वजह बन रहे हैं। मुख्यमंत्री के आदेशों के बावजूद मरम्मत न होने से ग्रामीणों में नाराजगी है और हाल ही में बच्चों से भरी ई-रिक्शा भी पलट गई थी।बच्चों से भरी ई-रिक्शा पलटी फिर भी नहीं चेते जिम्मेदार, ग्रामीणों में नाराजगी- बारिश ने खोली सड़कों की पोल, पानी में छिपे गड्ढे बन रहे हादसों की वजहसड़क पर कदम रखते ही सामने गहरा गड्ढा...उसे बचाने के लिए बाइक सवार अचानक हैंडल मोड़ता है और पीछे से आ रहे वाहन से टकराने पर बाल-बाल बच जाता है। कुछ मीटर आगे सड़क पर पानी भरा है। नीचे गड्ढा कितना गहरा है, इसका अंदाजा नहीं। वाहन चालक गति धीमी करता है और किसी तरह निकलता जाता है। यही दृश्य इन दिनों जिले के ग्रामीण क्षेत्रों की सड़कों पर आम है। मुख्यमंत्री ने त्योहार से पहले सड़कों को गड्ढामुक्त करने के निर्देश दिए हैं, लेकिन गांवों में सड़कें मानो इन आदेशों का इंतजार करते-करते कई महीने से गड्ढों में तब्दील हो चुकी हैं।ठाकुरद्वारा क्षेत्र के सुरजननगर, जसपुर और उत्तराखंड को जोड़ने वाले प्रमुख मार्गों पर जगह-जगह गड्ढे हैं। कहीं डामर गायब है तो कहीं पूरी सड़क ही धंस गई है। बाइक सवारों को सामने से आने वाले वाहन और गड्ढे के बीच रास्ता चुनना पड़ रहा है।बिजनौर को जोड़ने वाले मार्ग पर भी छोटे-बड़े गड्ढे सफर को झटका दर झटका बना रहे हैं। डिलारी रोड पर मानपुर साबित के पास हालात और डरावने हैं। बारिश का पानी गड्ढों में भरा है और पानी के नीचे सड़क है या गड्ढा, इसका पता नहीं चलता। करीब एक माह पहले गड्ढे भरे गए थे, लेकिन सड़क फिर उखड़ गई। चार दिन पहले बच्चों से भरी ई-रिक्शा इसी मार्ग पर पलट चुकी है। इसके बाद भी सड़क वैसे ही पड़ी है। संभल रोड से मलकपुर फत्तेहपुर खास का रास्ता रतनपुर कलां होकर पाकबड़ा-डींगरपुर मार्ग को जोड़ने वाला संपर्क मार्ग है। बारिश ने सड़क की हालत और बिगाड़ दी है। एक दर्जन से अधिक गांवों और ग्रोथ सेंटर को जोड़ने वाले इस मार्ग पर कई जगह सड़क की परत उखड़ी दिखाई देती है। पानी उतरने के बाद भी गड्ढों में कीचड़ और बजरी जमा है। कांठ में उमरी कला से काजीपुरा पतंगी का रास्ता भी राहगीरों की परीक्षा ले रहा है। ग्रामीण बताते हैं कि [illegible] तौर पर 20 मिनट लगने चाहिए, उसमें दो से ढाई घंटे तक लग जाते हैं। [illegible] मिट्टी डालकर [illegible] लेकिन बारिश के साथ वह भी बह गया। इन सड़कों पर सफर करते हुए सबसे बड़ा सवाल यही है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आदेश त्योहार से पहले सड़कें दुरुस्त करने का है। ग्रामीण इलाकों की इन सडकों तक आदेश पहुंच जाए तो इनकी हालत भी सुधर जाएगी। हादसों पर अंकुश लगेगा और लोग सुरक्षित सफर कर सकेंगे। सड़कों की मरम्मत के लिए लगातार प्रस्ताव भेजे जा रहे हैं। जिले में कई मार्गों की मरम्मत के लिए धनराशि स्वीकृत भी हुई है। [illegible] होने वाली

क्यूँ न लिखूँ सच
स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक [illegible] राज शर्मा [illegible]
[illegible]
[illegible] कार्यालय म. नं. 219 [illegible] सीतापुरी [illegible]
जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।
संपादक - नरेश राज शर्मा
मो. 9027776991
RNI NO- UPBIL/2021/83001
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।
क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

नौकरी मांगने वाले नहीं, अब रोजगार देने वाले बनें: डीएम

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। विकास भवन सभागार में मंगलवार को आयोजित डीएलआरसी बैठक में जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने दो टूक कहा कि स्वयं सहायता समूह की महिलाएं रोजगार मांगने वाली नहीं, बल्कि दूसरों को रोजगार देने वाली बनें। जिले में कई समूहों के बैंक खाते न खुलने पर डीएम ने कड़ी नाराजगी जताते हुए अफसरों को एक सप्ताह के भीतर सभी महिलाओं के खाते खुलवाने के सख्त निर्देश दिए।

सीडीओ को इसकी अलग से समीक्षा बैठक करने और ब्लॉक मिशन प्रबंधकों को लगातार फील्ड निरीक्षण कर रिपोर्ट सौंपने को कहा गया। डीएम ने घोषणा की कि 22 सितंबर को कलेक्ट्रेट परिसर में समूहों के उत्पादों की बिक्री और प्रचार-प्रसार के लिए विशेष स्टॉल लगाए जाएंगे। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी देवयानी, डीपीआरओ कमल किशोर, एलडीएम और डीसी एनआरएलएम सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

करोड़ों की ठगी में पूर्व दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री गिरफ्तार, क्राइम ब्रांच पकड़कर लाई बरेली

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। समेत कई जिलों में होटल व फैक्टरी के नाम पर जमीन खरीद के बहाने किसानों से कई करोड़ रुपये की ठगी कर ली गई। प्रदेश भर के ठगों का एक बड़ा नेटवर्क इस धंधे में शामिल था।

अब क्राइम ब्रांच ने ठगी के सरगना पन्नालाल कश्यप को गिरफ्तार किया है। गाजियाबाद के थाना नंदग्राम में गढ़ी का निवासी पन्नालाल कश्यप बसपा सरकार में वर्ष 2007 में दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री रहा है। क्राइम ब्रांच के इंस्पेक्टर अरुण कुमार ने उसकी तलाश में पहले गाजियाबाद में दबिश दी, वहां से वह चकमा देकर भाग निकला। फिर टीम ने उसे मेरठ से गिरफ्तार कर लिया और बरेली ले आई। उसे भोजीपुरा थाना पुलिस को सौंपा गया है। यहां उसके खिलाफ दो मुकदमे पहले से दर्ज हैं। कई अन्य मामलों में विवेचना में उसका नाम खुला है। एसएसपी बरेली अनुराग आर्य ने उस पर 25 हजार का इनाम घोषित किया था । थाना पुलिस ने पीड़ितों की सुनवाई न की तो एसएसपी ने क्राइम ब्रांच को इन मामलों की विवेचना ट्रांसफर कर दी। तब से कार्रवाई में तेजी आई है। एसएसपी अनुराग आर्य ने बताया कि पन्नालाल कश्यप की गिरफ्तारी की गई है। अन्य आरोपियों को भी जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। करीब तीन साल से पीड़ित किसान रिपोर्ट दर्ज कराने को भटक रहे थे। लगभग दो साल पहले तत्कालीन आईजी राकेश कुमार सिंह व मौजूदा एसएसपी अनुराग आर्य ने इस मामले में संज्ञान लेकर पीड़ितों की रिपोर्ट लिखवाना शुरू की। पुलिस के मुताबिक पन्नालाल के खिलाफ जिले के अलग अलग थानों में कई मुकदमे दर्ज कराए गए। भोजीपुरा और मीरगंज में सर्वाधिक मामले दर्ज थे।

पशुशाला से चोरी करके गौकशी! हिंदू संगठनों के हंगामें के बाद पहुंचीं पुलिस फोर्स

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। पुलिस की तमाम सख्ती के बावजूद गौ-तस्कर और गौकशों के हौसले बुलंद हैं। सीबीगंज क्षेत्र में एक पशुशाला से गाय चोरी करके, गौकशी की घटना सामने आई है। आरोप है कि ग्रामीणों की हलचल के बीच गौकशी के आरोपी भाग निकले। घटना से ग्रामीणों में आक्रोश है। हिंदू संगठनों के सदस्यों ने कड़ा विरोध दर्ज कराते हुए आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग उठाई है। उधर, सीओ और इंस्पेक्टर भी घटनास्थल पर पहुंच गए हैं। विरोध के बीच पुलिस ने जांच कर कड़ी कार्रवाई का भरोसा दिलाया है। घटना सीबीगंज थाना क्षेत्र के परधौली गांव की है। ग्रामीण यशपाल की पशुशाला से सोमवार की रात एक गाय चोरी हो गई। आरोप है कि चोरी गाय को लेकर गांव के पूरब स्थित एक खेत पर पहुंचे। यहां उसका वध किया गया। संभव है कि किसी हलचल के बीच वह मृत गाय को छोड़कर भाग निकले। सुबह को जब पशुशाला पर गाय नहीं मिली और उधर एक खेत में उसके गौवध की खबर फैली तो इलाके में हलचल मच गई। बड़ी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंच गए। देखा कि गाय मृत पड़ी है। उसके पैर अलग पड़े हैं। सूचना पर राष्ट्रीय बजरंग दल के जिलाध्यक्ष रोहित गंगवार, अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद के जिलाध्यक्ष अमित गंगवार अपनी टीम के साथ पहुंचे। सीओ द्वितीय नितिन कुमार,इंस्पेक्टर सीबीगंज विनोद सिंह पुलिस बल के साथ पहुंच गए। पुलिस ने गाय का शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है और पूरे प्रकरण की जांच शुरू कर दी है। ग्रामीणों के मुताबिक करीब एक सप्ताह पहले भी क्षेत्र में इसी तरह की एक घटना सामने आई थी। तब भी गौकश इसी तरह गाय का वध करके फरार हो गए थे और अब एक बार फिर ऐसी घटना सामने आ गई है। इस मामले में रोहित गंगवार ने पुलिस को एक शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। हालांकि पुलिस की ओर से इस मामले में अभी कोई बयान नहीं आया है।

छात्रवृत्ति वितरण की तैयारियां तेज: डीएम ने की समीक्षा बैठक, लापरवाही पर जताई नाराजगी

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में समाज कल्याण विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति वितरण को लेकर अहम बैठक हुई।

बैठक में एससी/एसटी, ओबीसी सहित सभी वर्गों के विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति प्रक्रिया को समयबद्ध ढंग से पूरा करने पर मंथन किया गया। बैठक से गैरहाजिर अधिकारियों और विद्यालय प्रबंधकों पर डीएम ने कड़ी नाराजगी जताई। ?प्रमुख तिथियां व शेड्यूल ?कक्षा 9 से 12 (नवीनीकरण)= ऑनलाइन आवेदन 11 अगस्त से 25 अगस्त 2026 तक। कक्षा 9 से 12 (नवीन छात्र)= ऑनलाइन आवेदन 11 अगस्त से 21 सितंबर 2026 तक; स्कूल स्तर से सत्यापन 15 अक्टूबर 2026 तक। ?उच्च कक्षाएं (नवीनीकरण)= 15 सितंबर से 15 अक्टूबर 2026 तक आवेदन। उच्च कक्षाएं (नवीन छात्र)= 15 सितंबर से 31 अक्टूबर 2026 तक आवेदन व हार्डकॉपी जमा; संस्थान स्तर पर सत्यापन 10 नवंबर 2026 तक। ?83 विद्यालयों में प्रोफाइल अपडेशन शेष समीक्षा में सामने आया कि पूर्वदशम में 457 में से 445 और दशमोत्तर में 304 में से 280 विद्यालयों ने मास्टर डाटा प्रोफाइल अपडेट कर लिया है। वहीं, दशमोत्तर उच्च कक्षाओं में 261 में से केवल 214 संस्थानों ने यह कार्य पूरा किया है। शेष 83 विद्यालयों में कई के बंद होने और शून्य नामांकन की बात सामने आई है। डीएम ने स्पष्ट किया कि सभी छात्र ऑनलाइन आवेदन की हार्डकॉपी समस्त दस्तावेजों के साथ संस्थान में अनिवार्य रूप से जमा करें। उन्होंने शिक्षण संस्थानों को बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण और सत्यापन कार्य तय समय पर पूरा करने के निर्देश दिए ताकि किसी भी पात्र छात्र की छात्रवृत्ति न रुके।

कुंडल लूटकर भागे बदमाश, भरतौल रोड पर पुलिस से भिड़े; मुठभेड़ में एक घायल, तीन गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। बारादरी थाना क्षेत्र में मंदिर जा रही महिला से कुंडल छिनैती की घटना का पुलिस ने खुलासा करते हुए मुठभेड़ के बाद तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की आत्मरक्षार्थ की गई फायरिंग में एक आरोपी अजय मिश्रा घायल हो गया।

उसके दो साथियों को भी मौके से दबोच लिया गया। पुलिस के अनुसार 9 सितंबर को संजयनगर निवासी पूनम अपनी बेटी व पड़ोसन के साथ मॉडल टाउन स्थित हरि मंदिर जा रही थीं। मॉडल टाउन गेट के पास पीछे से आए बदमाश ने झपट्टा मारकर उनके दोनों कुंडल छीन लिए और बाइक सवार साथी के साथ फरार हो गया। मामले में बारादरी थाने में रिपोर्ट दर्ज की गई थी। 15 सितंबर को भरतौल रोड स्थित एफसीआई गोदाम के पास चेकिंग के दौरान पुलिस ने संदिग्ध वाहन को रोका। इसी दौरान बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में अजय मिश्रा घायल हो गया, जबकि पिंटू मिश्रा और तरुण उर्फ आकाश को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से दो अवैध .315 बोर तमंचे, दो जिंदा कारतूस, दो खोखा कारतूस, छीने गए पीली धातु के दोनों कुंडल और बिना नंबर प्लेट की पल्सर मोटरसाइकिल बरामद की है। घायल आरोपी को उपचार के लिए जिला अस्पताल भेजा गया। मामले में आगे की विधिक कार्रवाई जारी है।

भमौरा पुलिस ने अवैध तमंचे व कारतूस के साथ शातिर को गिरफ्तार कर भेजा जेल

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली,भमोरा। अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत एक शातिर बदमाश को अवैध असलहा और कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी के पास से 315 बोर का एक तमंचा और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया। ?चेकिंग के दौरान हुई गिरफ्तारी-थानाध्यक्ष पवन कुमार के नेतृत्व में भमोरा पुलिस टीम क्षेत्र में संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान उपनिरीक्षक गौरव चौहान, हेड कांस्टेबल जयवीर सिंह, कांस्टेबल मुस्तफा और रिक्रूट कांस्टेबल अनन्त त्यागी की टीम जब बमियाना रोड स्थित ग्राम मिलक मंशाराम कट के पास पहुंची, तो रात करीब 10:45 बजे एक संदिग्ध युवक दिखाई दिया। पुलिस ने जब घेराबंदी कर उसे रोका और तलाशी ली, तो उसके पास से 315 बोर का एक अवैध तमंचा व एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ।

पहचान और आपराधिक इतिहास गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान दीपक पुत्र राजू, निवासी ग्राम मकरन्दपुर ताराचन्द, थाना भमोरा, बरेली के रूप में हुई। पुलिस के अनुसार, पकड़ा गया आरोपी आदतन अपराधी है और उसके खिलाफ पहले से कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस की पूछताछ के दौरान आरोपी दीपक ने बताया कि उसने यह तमंचा बरेली में किसी अज्ञात व्यक्ति से अपनी सुरक्षा के नाम पर खरीदा था। हालांकि, वह असलहा बेचने वाले का नाम-पता नहीं बता सका। पुलिस अब यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि अवैध हथियारों की सप्लाई करने वाला नेटवर्क कौन संचालित कर रहा है। इस कार्रवाई में थानाध्यक्ष पवन कुमार, उपनिरीक्षक गौरव चौहान, हेड कांस्टेबल जयवीर सिंह, कांस्टेबल मुस्तफा और रिक्रूट आरक्षी अनन्त त्यागी शामिल रहे।

शादी के 5 महीने बाद विवाहिता की संदिग्ध मौत , दहेज हत्या आरोप

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। क्योलड़िया थाना क्षेत्र के ज्योति जागीर गांव में शादी के महज पांच महीने बाद 22 वर्षीय प्रियंका की संदिग्ध मौत हो गई। उसका परिस्थितियों में शव घर के अंदर फंदे से लटकता मिला। घटना के बाद से ही ससुराल पक्ष के लोग घर छोड़कर फरार हैं। ?मृतका के पिता तुलाराम (निवासी कोकीली, बरखेड़ा) के अनुसार, उन्होंने प्रियंका की शादी 27 अप्रैल 2026 को सोनू कुमार से की थी। आरोप है कि ससुराल पक्ष दिए गए दान-दहेज से संतुष्ट नहीं था और अतिरिक्त दहेज के लिए प्रियंका को लगातार प्रताड़ित कर रहा था। पांच दिन पूर्व ही वह मायके से ससुराल लौटी थी। ?मंगलवार सुबह मायके पक्ष को प्रियंका की मौत की सूचना मिली। पिता का आरोप है कि गले पर रस्सी के निशान मिले हैं; ससुरालियों ने हत्या के बाद शव को साड़ी के सहारे कुंडे से लटका कर आत्महत्या का रूप देने की कोशिश की है। क्योलड़िया पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पिता की तहरीर पर पति सोनू समेत छह ससुरालियों के खिलाफ दहेज हत्या का केस दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। मौत के सही कारणों का खुलासा पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद होगा।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

डिलारी पुलिस ने चार आरोपियों को किया गिरफ्तार, न्यायालय भेजा

क्यूँ न लिखूँ सच / डिलारी। थाना डिलारी पुलिस ने कार्रवाई करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार रपट संख्या 63 में की गई कार्रवाई के तहत शुभम दिवाकर पुत्र लेखराज, दीपक पुत्र राजू सिंह, शेखर पुत्र देवेन्द्र सिंह तथा अर्श पुत्र अनवार हुसैन को बीएनएसएस की धारा 126/135/170 के अंतर्गत गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार किए गए आरोपियों में दो आरोपी कालाझण्डा, थाना ठाकुरद्वारा क्षेत्र के निवासी बताए गए हैं, जबकि दो अन्य आरोपी थाना डिलारी क्षेत्र के रहने वाले हैं। पुलिस ने सभी आरोपियों को हिरासत में लेने के बाद आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी की और उन्हें न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया। पुलिस की कार्रवाई के बाद क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को लेकर सख्ती का संदेश गया है।

आलियाबाद में लगा दूज का मेला, झूलों और चाट-पकौड़ी का बच्चों ने लिया आनंद

क्यूँ न लिखूँ सच / डिलारी। थाना डिलारी क्षेत्र के गांव आलियाबाद में दूज के अवसर पर मेले का आयोजन किया गया। मेले में आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। बच्चों में मेले को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। मेले में बच्चों के लिए बड़े-बड़े झूले लगाए गए थे। बच्चों ने झूलों का जमकर आनंद लिया और जलपरी का प्रदर्शन देखकर भी उत्साहित नजर आए। इसके अलावा मेले में खेल-खिलौनों की दुकानों पर भी बच्चों की भीड़ रही। बच्चों ने अपनी पसंद के खिलौने खरीदे। मेले में चाट-पकौड़ी सहित विभिन्न प्रकार के खान-पान की दुकानें भी सजाई गई थीं। लोगों ने मेले में घूमने के साथ स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद लिया। पूरे मेले के दौरान बच्चों और परिवारों में उत्साह का माहौल बना रहा। दूज का यह मेला ग्रामीण क्षेत्र में लोगों के लिए मनोरंजन और आपसी मेल-मिलाप का अवसर बना।

फर्जी मत्स्य निरीक्षक बनकर अवैध वसूली करने वालों पर FIR दर्ज, विभाग ने जारी किया अलर्ट

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। जिले में मत्स्य विभाग के फर्जी निरीक्षक और कर्मचारी बनकर मछली पालकों से अवैध वसूली करने वाले अज्ञात जालसाजों के खिलाफ एफ.आई.आर. दर्ज कराई गई है।सहायक निदेशक मत्स्य गायत्री पाण्डेय ने बताया कि कुछ शातिर तत्व विभागीय अधिकारी बनकर पालकों को गुमराह कर रहे थे और अवैध धन वसूल रहे थे। ?विभाग ने सभी मत्स्य पालकों को सावधान करते हुए अपील की है कि यदि कोई भी संदिग्ध व्यक्ति इस प्रकार की मांग करे, तो उसे पैसे न दें और तुरंत कमरा नंबर-40, विकास भवन (कार्यालय सहायक निदेशक मत्स्य, बरेली) में शिकायत दर्ज कराएं।

आयुष्मान कार्ड KYC के नाम पर वसूली का आरोप: उपनिदेशक को भेजी गई जांच

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली, भमोरा । ग्राम पंचायत हर्रामपुर के पंचायत सहायक आवेश कश्यप की कार्यप्रणाली को लेकर जनसुनवाई समाधान पोर्टल

पर शिकायत दर्ज कराई गई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रकरण की जांच उपनिदेशक पंचायत, पंचायती राज विभाग को सौंपी गई है। ग्राम निवासी आदित्य भारद्वाज का आरोप है कि 10 जनवरी 2026 को परिवार के सदस्यों के आयुष्मान कार्ड की ई-केवाईसी कराने के नाम पर पंचायत सहायक ने प्रति सदस्य 100 रुपये के हिसाब से 400 रुपये अवैध रूप से वसूले। इसके अलावा शिकायत में पंचायत सहायक पर पद पर रहते हुए निजी जन सेवा केंद्र चलाने और पंचायत सचिवालय में नियमित उपस्थित न रहने का भी आरोप है। शिकायतकर्ता ने एक अन्य गंभीर मुद्दे की जांच की मांग करते हुए कहा कि पूर्व में पंचायत सहायक के घर से चले जाने पर उनके परिजनों ने भमोरा थाने में गुमशुदगी की तहरीर दी थी। उस अवधि में सचिवालय उपस्थिति पंजिका, कार्य निष्पादन और मानदेय भुगतान से संबंधित अभिलेखों की गहन जांच होनी चाहिए कि अनुपस्थिति के बावजूद भुगतान कैसे हुआ। शिकायतकर्ता का यह भी दावा है कि पंचायत के व्हाट्सएप ग्रुप में इस अनियमितता को उठाने पर पंचायत सहायक ने उन्हें ग्रुप से हटा दिया। पीड़ित ने मामले की स्थलीय जांच कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की मांग की है। उपनिदेशक पंचायत को मामला प्रेषित किए जाने के बाद अब विभागीय जांच रिपोर्ट का इंतजार है।

सम्राट चंद्रगुप्त मौर्य सिलाई प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ

समोदिया क्यूँ न लिखूँ सच । विद्या भारती से संबद्ध जन शिक्षा समिति पश्चिम उत्तर प्रदेश के ग्राम भारती पिलखुआ, हापुड़ ग्रामीण शिक्षण के अंतर्गत सेवा क्षेत्र की शिक्षा योजना के तहत गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर सम्राट चंद्रगुप्त मौर्य सिलाई प्रशिक्षण केंद्र का शुभारंभ किया गया। भगवान श्री गणेश की प्रतिमा के समक्ष विद्या भारती सेवा क्षेत्र की शिक्षा, पश्चिम उत्तर प्रदेश क्षेत्र के संयोजक पंडित विनोद कुमार मिश्रा ने दीप प्रज्वलित कर पुष्पार्चन किया और लड्डू का भोग लगाकर केंद्र का विधिवत शुभारंभ किया। कार्यक्रम में संभाग संयोजक सेवा क्षेत्र की शिक्षा बृज गोपाल यादव, संघ कार्यकर्ता गिरवर दयाल मौर्य, भूखन मौर्य, कुंवर सिंह मौर्य तथा केंद्र संचालिका पूजा मौर्य ने सहभागिता की। कार्यक्रम में मंचासीन अतिथियों का तिलक लगाकर, पुष्पवर्षा कर तथा राधे-राधे पटका भेंट कर स्वागत किया गया। सिलाई प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली बहनों का भी तिलक एवं पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। केंद्र के शुभारंभ अवसर पर बड़ी संख्या में प्रशिक्षणार्थी बहनें और उनके अभिभावक उपस्थित रहे।प्रधानाचार्य पंडित विनोद कुमार मिश्रा ने संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर विद्या भारती द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि स्वदेशी वस्तुओं को अपनाना, विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार करना, दैनिक जीवन में स्वदेशी उत्पादों का प्रयोग करना, पॉलिथीन का उपयोग छोड़कर अधिक से अधिक पौधे लगाना, जल संरक्षण करना, परिवार को नशे से दूर रखना तथा घर-आंगन, धार्मिक स्थलों, गांव और गलियों को स्वच्छ रखना सामाजिक जागरूकता का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने कहा कि सेवा केंद्रों के माध्यम से जनजागरूकता बढ़ाकर इन कार्यों को प्रभावी रूप से आगे बढ़ाया जा सकता है।उन्होंने कहा कि सिलाई प्रशिक्षण के माध्यम से बहनों में स्वावलंबन की भावना विकसित होगी। घर के नए और पुराने कपड़ों की सिलाई तथा मरम्मत स्वयं करने से परिवार के खर्च में कमी आएगी और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा मिलेगा। इस प्रकार प्रशिक्षण केंद्र केवल सिलाई सिखाने का माध्यम नहीं, बल्कि संस्कार, सेवा और स्वावलंबन की भावना को मजबूत करने का केंद्र बनेगा। कार्यक्रम में संजना, शिवानी मौर्य, अंजली मौर्य, स्वामी, किरण, राधिका, खुशबू, अंशिका, कशिश, कृष्ण और कार्तिक सहित बड़ी संख्या में प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। संभाग संयोजक बृज गोपाल यादव ने संस्कार केंद्र और स्वावलंबन के महत्व पर विचार व्यक्त करते हुए प्रशिक्षणार्थियों को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता गिरवर दयाल मौर्य ने की। उन्होंने केंद्र के शुभारंभ पर सभी अतिथियों, प्रशिक्षणार्थियों और अभिभावकों का आभार व्यक्त किया।

स्वदेशी जागरूकता, स्वच्छता एवं सेवा पखवाड़े का लिया संकल्प

समोदिया रामपुर क्यूँ न लिखूँ सच । विद्या भारती से संबद्ध जन शिक्षा समिति पश्चिम उत्तर प्रदेश के ग्राम भारती पिलखुआ हापुड़ ग्रामीण शिक्षा के अंतर्गत डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी सरस्वती विद्या मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रुस्तम नगर रामपुर में वंदना सभा के दौरान स्वदेशी जागरूकता, स्वच्छता एवं सेवा पखवाड़े के अंतर्गत सेवा भाव विकसित करने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम में विद्या भारती सेवा क्षेत्र की शिक्षा के संभाग सेवा संयोजक बृज गोपाल यादव एवं प्रधानाचार्य पंडित विनोद कुमार मिश्रा ने दीप प्रज्वलित कर भारत माता एवं मां सरस्वती के श्रीचरणों में पुष्प अर्पित किए। इसके बाद बोध कथा के माध्यम से भैया-बहनों को सेवा के संस्कारों से जुड़े अनेक उदाहरण बताए गए। उन्होंने कहा कि सेवा केवल बड़े कार्य करने तक सीमित नहीं है, बल्कि दैनिक जीवन में छोटे-छोटे कार्यों से भी सेवा का भाव विकसित किया जा सकता है। चींटी को आटा डालना, गौ माता को रोटी खिलाना, चिड़िया, गिलहरी, कबूतर, कौआ, कुत्ता और बिल्ली जैसे बेजुबान जीवों के लिए पानी एवं भोजन की व्यवस्था करना भी सेवा का महत्वपूर्ण कार्य है। बुजुर्गों, माता-पिता तथा साधु-संतों की सेवा को अपना कर्तव्य समझने का आह्वान किया गया। बताया गया कि 15 सितंबर से 30 सितंबर तक सेवा पखवाड़े के रूप में सभी भैया-बहन अपने दैनिक जीवन में सेवा की आदत विकसित करें और प्रतिदिन कोई न कोई छोटा सेवा कार्य अवश्य करें। पर्यावरण संरक्षण के लिए पौधों को पानी देना, उनकी देखभाल करना तथा जैविक खाद डालना भी वृक्षों की सेवा का ही एक रूप है। प्रधानाचार्य पंडित विनोद कुमार मिश्रा ने स्वदेशी वस्तुओं के प्रयोग पर जोर देते हुए कहा कि दैनिक जीवन में उपयोग होने वाली वस्तुएं खरीदते समय भारत में निर्मित वस्तुओं को प्राथमिकता देनी चाहिए। स्वदेशी वस्तुओं के प्रयोग से देश के प्रति अपनत्व और जिम्मेदारी का भाव मजबूत होता है। उन्होंने विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार कर स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने का संकल्प लेने का आह्वान किया।उन्होंने कहा कि संघ के शताब्दी वर्ष के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का प्रयास किया जा रहा है। स्वदेशी, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, सेवा भाव और नागरिक कर्तव्य जैसे विषयों को व्यवहार में उतारकर समाज में जागरूकता लाई जा सकती है। अंत में कन्या भारती, वंदन प्रमुख, वंदे मातरम प्रमुख, भोजन मंत्र प्रमुख एवं पदाधिकारी बहनों ने संकल्प लिया कि वे अपने घर-परिवार, गली, आसपास के क्षेत्र और कक्षाओं में स्वदेशी, स्वच्छता एवं सेवा के प्रति जागरूकता बढ़ाएंगी। इसके लिए पोस्टर, निबंध एवं भाषण प्रतियोगिताओं के माध्यम से भैया-बहनों और समाज के लोगों को जागरूक किया जाएगा।इस अवसर पर वंदना प्रमुख आचार्य दीदी पूजा टैगोर, सेविका मैया कलावती, उप सेनापति शायरी, राशि, सुहानी, आरुषि, अंशिका, अनामिका, मेघा मौर्य, रूमानी, अलवीरा, अराफिया एवं कमल मौर्य सहित बड़ी संख्या में भैया-बहन उपस्थित रहे।

नटेरन भारतीय किसान संघ ने किसानों की विभिन्न समस्याओं को समस्याओं को लेकर एसडीएम कार्यालय पहुंचकर तहसीलदार को दिए तीन ज्ञापन

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी/ विदिशा जिले के नटेरन में भारतीय किसान संघ कार्यकर्ताओं द्वारा क्षेत्रीय किसानों के साथ नटेरन के रामलीला ग्राउंड मैं सर्वप्रथम भारत माता और भगवान बलराम की पूजा अर्चना की गई उसके बाद नटेरन भारतीय में भारतीय किसान संघ कार्यकर्ताओं ने बड़ी संख्या किसानों एक रैली निकाल कर नटेरन एसडीएम कार्यालय पहुंचकर नरेन्द्र मोदी के नाम द्वितीय ज्ञापन मुख्यमंत्री मनमोहन अंशुल गुप्ता के नाम नटेरन तहसीलदार पीयूष जैन दिए है ज्ञापनों में मुख मांग उड़द सोयाबीन मक्का धान प्राकृतिक गई है जिसमें सर्वे कराकर जल राहत राशि एवं बीमा सफाई और मरम्मत समय से पूर्व की जाए। कृषि कार्य के बताया जाता है कि कभी लाइन फाल्ट है तो कभी लोड स्थिति में लगभग किसानों को 6 से 8 घंटे रोज बिजली क्षेत्रों में घरेलू ट्रांसफार्मर (डीपी) जल जाने पर जिन बिल जमा कराने के लिए विभागीय कर्मचारियों और बनाया जाता है जिसके कारण जिन उपभोक्ताओं के बिजली

किसान संघ तहसील अध्यक्ष बालमुकुंद तिवारी के नेतृत्व के साथ ना तेरा रामलीला मैदान से एसडीएम कार्यालय तक किसने की विभिन्न मांगों को लेकर प्रथम ज्ञापन प्रधानमंत्री सिंह यादव के नाम और तृतीय क्षेत्रीय ज्ञापन विदिशा कलेक्टर नटेरन तहसील ईकाई भारतीय किसान संघ द्वारा दिए गए रोगों से हुई किसानों की फसलों में छाती को लेकर बताई क्लेम दिया जाए। कृषि सिंचाई के लिए नहरों की साफ-लिए मिलने वाली विद्युत लाइट को लेकर किसानों को सेडिंग के चलते पंप लाइन के विद्युत फीडर बंद रहते हैं इस दी जा रही है जिसको 10 घंटे किया जाए। वहीं ग्रामीण उपभोक्ताओं के बिल जमा है उन्हीं उपभोक्ताओं पर बिजली अधिकारियों के द्वारा बिजली बिल जमा करवाने का प्रेशर बिल जमा है उनकी भी बिजली बंद रहती है और और अंधेरे में रहना पड़ता है बिजली बिल जमा उपभोक्ताओं के लिए क्षेत्रीय बिजली विभाग के द्वारा बिल जमा उपभोक्ता की व्यवस्था तुरंत कर जिन लोगों के बिल बकाया है उनसे विभागीय कर्मचारी एवं अधिकारियों के द्वारा बिजली बिल जमा कराए जाएं या फिर उनके खिलाफ वैधानिक कार्यवाही की जाए। ज्ञापन देने वालों में नटेरन तहसील प्रभारी पूरन सिंह रघुवंशी, तहसील अध्यक्ष बालमुकंदरी, उपाध्यक्ष हरनाम सिंह ठाकुर, उपाध्यक्ष ब्रजमोहन मीणा, तहसील मंत्री दौलत सिंह लोधी, मंत्री रामगोपाल मीणा, कार्यालय मंत्री राजू राजेश रघुवंशी, जैविक प्रमुख ठाकुर प्रसाद लोधी, प्रचार प्रसार प्रमुख कोक सिंह रघुवंशी, बलराम मीणा, परसराम मीणा, संग्राम सिंह रघुवंशी, कमलेश रघुवंशी, हरिनारायण मीना, तुलसीराम मीणा, धीरज सिंह मीणा, जगदीश शर्मा, रोहित तिवारी, गुलाब सिंह मीणा, रितेश रघुवंशी, धर्म कुशवाहा, नवल सिंह रघुवंशी, जैन सिंह रघुवंशी, अंकित रघुवंशी, रामदयाल मीणा, गोविंद सिंह मीणा, गोलु रघुवंशी, अंशुल रघुवंशी, छोटे राम प्रजापति, अर्जुन शक्य, उधम सिंह, रतन सिंह रघुवंशी, जगदीश रघुवंशी, देवचंद अहिरवार, उधम सिंह सहित बड़ी संख्या में किसान संघ कार्यकर्ताओं के क्षेत्रीय किसान उपस्थित रहे।

चीतों का पुख्ता इंतजाम करो, नहीं तो मंत्रियों के बंगलों पर छोड़ो: बृजेश धाकड़

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। भारतीय किसान संघ जिला शिवपुरी द्वारा भगवान श्री बलराम जी की जयंती को किसान दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर जिले की विभिन्न तहसीलों से बड़ी संख्या में किसान शिवपुरी पहुंचे। कार्यक्रम की शुरुआत किरार छात्रावास में आयोजित सभा से हुई। इसके बाद भगवान श्री बलराम जी के चित्र को बग्गी में विराजमान कर डीजे और ढोल-बाजों के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली गई।

शोभायात्रा शहर के प्रमुख मार्गों से होती हुई कलेक्ट्रेट पहुंची। यहां भारतीय किसान संघ के पदाधिकारियों एवं किसानों ने

प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और कलेक्टर के नाम 27 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन सौंपा। कार्यक्रम का नेतृत्व जिला अध्यक्ष बृजेश धाकड़ ने किया।

चीतों से फसल और पशुधन की सुरक्षा का मुद्दा उठाया सभा को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष बृजेश धाकड़ ने किसानों की समस्याओं के साथ-साथ कूनो क्षेत्र में चीतों की मौजूदगी से उत्पन्न सुरक्षा संबंधी चिंताओं को भी उठाया। उन्होंने कहा कि चीतों से किसानों और ग्रामीणों की सुरक्षा के लिए पुख्ता इंतजाम किए जाएं, अन्यथा चीतों को मंत्रियों के बंगलों पर छोड़ दिया जाए। उन्होंने वन्यजीवों से किसानों की फसलों और पशुधन की सुरक्षा के लिए प्रभावी व्यवस्था तथा फेंसिंग पर 80 प्रतिशत अनुदान की मांग भी रखी। खाद, बिजली, फसल बीमा और रूस्क सहित 27 मांगें- भारतीय किसान संघ द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में किसानों के लिए पर्याप्त खाद उपलब्ध कराने, ऑनलाइन टोकन व्यवस्था में पारदर्शिता, डीएपी की पर्याप्त उपलब्धता और मक्का की रूस्क पर खरीदी सुनिश्चित करने की मांग की गई। अतिवृष्टि एवं ओलावृष्टि से प्रभावित किसानों को राहत एवं बीमा राशि देने, फसल नुकसान का सही आकलन करने तथा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की राशि बढ़ाने की मांग भी शामिल है।

किसानों ने 10 घंटे बिजली उपलब्ध कराने, जर्जर विद्युत लाइनों एवं पोलों की मरम्मत, जले हुए ट्रांसफार्मरों को 24 घंटे में बदलने तथा इसके लिए ट्रांसफार्मर एंबुलेंस सेवा शुरू करने की मांग रखी। इसके अलावा सिंचाई परियोजनाओं की जांच एवं मरम्मत, भूमि संबंधी प्रकरणों का समय-सीमा में निराकरण तथा नकली बीज और कृषि दवाइयों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई। ज्ञापन में क्ष्यष्ट-कूनो लिंक परियोजना को गति देने, गौ अभयारण्य स्थापित करने सहित किसानों से जुड़े अन्य मुद्दों को भी शामिल किया गया। बड़ी संख्या में पदाधिकारी और किसान रहे मौजूद कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रांतीय सदस्य पवन शर्मा, जिला प्रभारी राजकुमार रघुवंशी, कल्याण यादव एवं जिला अध्यक्ष बृजेश धाकड़ सहित जिला कार्यकारिणी सदस्य राजेश वर्मा, जिला मंत्री बृजेश शर्मा, जिला सदस्य विवेक व्यास, जिला उपाध्यक्ष योगेश वर्मा, जिला कोषाध्यक्ष दामोदर वर्मा, जिला प्रचार-प्रसार प्रमुख दीपेंद्र पाल, कुलभूषण चौधरी, अश्विनी करारे, शिवकुमार धाकड़ सहित संगठन के पदाधिकारी मौजूद रहे। जिले की विभिन्न तहसीलों से आए बड़ी संख्या में किसान एवं तहसील पदाधिकारी भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

संक्षिप्त समाचार

इज्जतनगर क्षेत्र में तीन हजार वर्ग मीटर की अवैध कॉलोनी पर गरजा बीडीए का बुलडोजर

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। शहर में अनियोजित विकास और अवैध कॉलोनाइजरों के खिलाफ बरेली विकास प्राधिकरण (बीडीए) ने शिकंजा पूरी तरह कस दिया है। मंडलायुक्त एवं जिलाधिकारी के कड़े निर्देशों के क्रम में बीडीए की प्रवर्तन टीम ने आज शहर के दो अलग-अलग इलाकों में बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। जहां एक तरफ सौ फिटा रोड पर अवैध व्यावसायिक निर्माण को सील किया गया, वहीं मिनी बाईपास पर काटी जा रही 3000 वर्ग मीटर की अवैध कॉलोनी को बुलडोजर चलाकर जमींदोज कर दिया गया। ?पहली कार्रवाई- सौ फिटा रोड पर अवैध निर्माण सील- प्राधिकरण की टीम ने थाना इज्जतनगर अंतर्गत बन्नूवाल नगर, सौ फिटा रोड पर छापा मारा। यहां प्रभाकर मिश्रा द्वारा बिना किसी नक्शा स्वीकृति के करीब 110 वर्ग मीटर में बने पुराने भवन के 30 वर्ग मीटर हिस्से में भूतल पर नए सिरे से कॉलम खड़े कर अवैध निर्माण कराया जा रहा था। बीडीए टीम ने काम रुकवाते हुए %उत्तर प्रदेश नगर नियोजन एवं विकास अधिनियम-1973% की धारा-28(क) के तहत पूरे निर्माण को मौके पर ही सील कर दिया। ?दूसरी कार्रवाई- 3000 वर्ग मीटर में कट रही अवैध कॉलोनी ध्वस्त- कार्रवाई का दूसरा बड़ा मोर्चा सैदपुर हाकिंस, मिनी बाईपास पर खुला। यहां ललित गंगवार द्वारा बीडीए से बिना ले-आउट स्वीकृत कराए करीब 3000 वर्ग मीटर जमीन पर अवैध कॉलोनी बसाई जा रही थी। मौके पर प्लॉटों का चिन्हांकन, सड़कें और बाउंड्रीवाल का काम तेजी से चल रहा था। बीडीए के बुलडोजर ने चंद ही मिनटों में सड़कों और बाउंड्रीवाल को ध्वस्त कर पूरी अवैध प्लॉटिंग को नेस्तनाबूद कर दिया। ?टीम में ये रहे शामिल- यह समूची कार्रवाई बीडीए के विशेष कार्याधिकारी (ओएसडी) अजीत कुमार सिंह के नेतृत्व में अंजाम दी गई। मौके पर सहायक अभियंता विनोद कुमार, अवर अभियंता संदीप कुमार, अजीत साहनी और बीडीए की पूरी प्रवर्तन टीम भारी पुलिस बल के साथ मुस्तैद रही। ?जनता के लिए बीडीए की सख्त चेतावनी- प्राधिकरण ने आम जनता और निवेशकों से अपील की है कि वे किसी भी बहकावे में न आएं। ?किसी भी प्रकार का निर्माण या प्लॉटिंग करने से पहले बीडीए से मानचित्र (नक्शा) स्वीकृत कराना कानूनी रूप से अनिवार्य है। ?बिना अनुमति के किए गए निर्माण पूरी तरह अवैध हैं और उन्हें किसी भी वक्त ध्वस्त या सील किया जा सकता है। ?कोई भी प्लॉट या मकान खरीदने से पहले विक्रेता से स्वीकृत मानचित्र की पुष्टि जरूर कर लें, अन्यथा वित्तीय और कानूनी नुकसान की जिम्मेदारी स्वयं खरीदार की होगी।

पात्र भूमिहीन कृषि श्रमिक दावेदारी फार्म भरकर करें आवेदन

बिलारी क्यूँ न लिखूँ सच । भूमिहीन मजदूरों और कृषि श्रमिकों को कृषि भूमि के पट्टे तथा उनके भूमि संबंधी अधिकारों के प्रति

जागरूक करने के उद्देश्य से मंगलवार को नेशनल एकेडमी फॉर सोशल मूवमेंट एवं नागरिक एकता परिषद की ओर से जनसुनवाई एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें भूमिहीन मजदूरों ने अपनी समस्याएं रखीं और भूमि आवंटन के लिए दावेदारी करने की प्रक्रिया की जानकारी ली। मानवाधिकार रक्षक प्रेम कुमार ने कहा कि पात्र भूमिहीन कृषि श्रमिक सरकारी एवं ग्राम पंचायत की उपलब्ध भूमि के आवंटन के लिए नियमानुसार आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग तथा गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन करने वाले पात्र परिवारों को भूमि आवंटन में प्राथमिकता का प्रावधान है। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रत्येक भूमिहीन को स्वत: 1.26 हेक्टेयर भूमि मिलना निश्चित नहीं है, बल्कि आवंटन उपलब्ध भूमि, पात्रता और निर्धारित प्रक्रिया के आधार पर होता है। कपिलराज ने कहा कि कृषि भूमि भूमिहीन मजदूर परिवारों की आजीविका, आर्थिक आत्मनिर्भरता और सम्मान से जुड़ी है। पात्र परिवारों को दावेदारी फार्म भरकर संबंधित लेखपाल, तहसील अथवा उपजिलाधिकारी कार्यालय में आवेदन करना चाहिए। प्रेम कुमार ने प्रशासन से भूमिहीन परिवारों का सर्वे कराकर पात्रता सूची तैयार करने और उपलब्ध भूमि का पारदर्शी तरीके से नियमानुसार आवंटन करने की मांग की। जनसुनवाई में राजीव सिंह वाल्मीकि, हरद्वारी सिंह खोखड़े, भीकम सिंह गुलड़िया, पप्पू राम, अमर सिंह रायपुर, रामस्वरूप कोरी रायपुर, सतवीर एडवोकेट बिचोला कुंदरकी, भूरा आदि मौजूद रहे।

गणेश भगवान की प्रथम पूजा में आस्था में भक्तगणों का जन सैलाब माहौल भक्ति मय हुआ सरोवर

क्यूँ न लिखूँ सच / नीरज कुमार/ कालपी जालौन -भगवान गजानन उत्सव पर्व प्रथम दिन विधायक एवं पूर्व विधायक तथा सैकड़ो भक्तों ने दरबार में पहुंचकर पूजा अर्चना की तथा माथा टेककर स्वयं एवं परिवार के खुशाली हेतु आशीर्वाद प्राप्त किया। टरननगंज स्थित श्याम पैलेस गेस्ट हाउस में श्याम पैलेस संस्कृत मंडल द्वारा स्वर्गीय श्याम किशोर गुप्ता एवं उनकी पत्नी स्वर्गीय जयंती गुप्ता की पुण्यतिथि में आयोजित पांच दिवसीय गणेश महोत्सव प्रथम दिन सोमवार की रात लगभग 8 बजे विधायक विनोद चतुर्वेदी पूर्व विधायक डॉ अरुण मेहरोत्रा समेत राजनीतिक एवं अधिकारी नगर के गणमान्य भक्तों ने गणेश महोत्सव में सम्मिलित होकर गणपति बप्पा मोरया गजानन की जय गणेश भगवान की जय आदि उद्घोष के नारों से आरती सुशोभित मय माहौल में आयोजित की गई महोत्सव आयोजक एवं टीम के द्वारा विधायक चतुर्वेदी स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया आरती के समय मौजूद विधायक प्रतिनिधि मनोज चतुर्वेदी महोत्सव आयोजक संदीप गुप्ता ज्ञानेंद्र मिश्रा कानपुर एल आई सी प्रबंधक आर एन गौतम पोस्टमास्टर सुरेंद्र शर्मा दीपक धवन शिव बालक सिंह यादव रवींद्र पुरवार पूर्व बार एसोसिएशन अध्यक्ष जय किशोर कुलश्रेष्ठ सिद्धन बाबू राजेश गुप्ता हरिमोहन सिंह यादव रवीद्र श्रीवास्तव एडवोकेट विजय शुक्ला पारस पुरवार अरविंद शर्मा रामदत्त मोनस प्रेम कुमार गुप्ता संजय गुप्ता शरद शुक्ला डॉक्टर बनारसी दास बिश्नोई अधिवक्ता दिनेश श्रीवास्तव शिवकुमार कनोडिया विशाल पोरवाल मनोनीत सभासद कन्हैया मिश्रा जयकांत पुरवार आदि सैकड़ो महिलाएं पुरुष एवं पत्रकार बंधु मौजूद थे।

वकीलों को कैशलेस इलाज की घोषणा पर बोले यशेंद्र सिंह: वर्षों का संघर्ष और प्रयास आज लाया रंग

क्यूँ न लिखूँ सच / बरेली / लखनऊ: उत्तर प्रदेश के अधिवक्ताओं को 5 लाख रुपये तक के प्रतिवर्ष कैशलेस/ निःशुल्क स्वास्थ्य इलाज की घोषणा के बाद वर्षों से इस मांग को उठा रहे अधिवक्ताओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर है। बरेली के जिला न्यायालय के अधिवक्ता यशेंद्र सिंह ने बताया कि अधिवक्ताओं को स्वास्थ्य सुरक्षा और आयुष्मान योजना के तहत लाभ दिलाने के लिए यह संघर्ष वर्षों पुराना है 2019 से उठ रही थी मांग इस संबंध में अधिवक्ता यशेंद्र सिंह ने जानकारी दी कि 17 जुलाई 2019 को उन्होंने जिला न्यायालय बरेली के अन्य साथी अधिवक्ताओं मुनीश कुमार एड, जय प्रकाश, धारा सिंह, अंगन सिंह एड, संजय अग्रवाल के साथ मिलकर भारत के प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी बरेली के माध्यम से सौंपा था। इस ज्ञापन में स्पष्ट मांग की गई थी कि अधिवक्ताओं की आर्थिक स्थिति और आकस्मिक बीमारियों के इलाज के खर्च को देखते हुए उन्हें आयुष्मान भारत योजना से जोड़ा जाए। राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण से इसके उपरांत 1 जून 2020 को राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (National Health Authority) के उप निदेशक रोहित देव झा द्वारा प्राप्त पत्र के माध्यम से सूचित किया गया था कि यशेंद्र सिंह द्वारा अधिवक्ताओं के हित में दिए गए सुझावों को रिकॉर्ड में ले लिया गया है और भविष्य में इस प्रकरण पर संज्ञान ग्रहण किया जाएगा ऑनलाइन कांफ्रेंस के समय उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक के समक्ष भी यशेंद्र सिंह एड द्वारा यह मुद्दा विशेष रूप से उठाया गया था इस बारे में अधिवक्ता यशेंद्र सिंह ने बताया कि अमर उजाला द्वारा लखनऊ से आयोजित एक ऑनलाइन कॉन्फ्रेंस में, जिसमें उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री ब्रजेश पाठक जी मुख्य रूप में शामिल हुए थे और पूरे प्रदेश के चुनिंदा अधिवक्ताओं को इस कांफ्रेंस में जोड़ा गया था वहां भी अधिवक्ताओं को आयुष्मान योजना व कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा देने की मांग को यशेंद्र सिंह द्वारा प्रमुखता से नोट कराया गया था। इसके बाद इस प्रक्रिया में और अधिक तेजी आई है और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने की इसकी घोषणा- हाल ही में प्रयागराज में आयोजित हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के सम्मान समारोह के दौरान की है मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के हाईकोर्ट एवं जिला न्यायालयों के अधिवक्ताओं को 5 लाख रुपये प्रतिवर्ष कैशलेस इलाज की सुविधा देने का ऐतिहासिक निर्णय लिया। यशेंद्र सिंह ने प्रदेश सरकार और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का धन्यवाद व्यक्त करते हुए कहा कि लंबे समय से किए जा रहे पत्राचार, ज्ञापन और लगातार प्रयासों का ही परिणाम है कि आज प्रदेश के लाखों अधिवक्ताओं को यह महत्वपूर्ण स्वास्थ्य सुरक्षा कवर मिलने जा रहा है और आशा व्यक्त की है कि इस योजना में अधिवक्ता के साथ साथ उनके आश्रित माता पिता,पत्नी व बच्चों को भी इसमें शामिल किया जाना चाहिए क्योंकि उनके स्वास्थ का खर्च भी अधिवक्ता द्वारा ही वहन किया जाता है ऐसी स्थिति में परिवार को यह सुविधा मिलने से अधिवक्ताओं को आसानी होगी

संक्षिप्त समाचार

जनता दर्शन में पुलिस अधीक्षक ने सुनी जन समस्याएं, संबंधित को शीघ्र निस्तारण हेतु दिए निर्देश

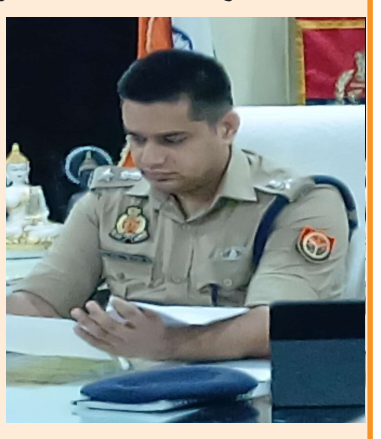

क्यूँ न लिखूँ सच / पुलिस अधीक्षक श्री राहुल भाटी द्वारा पुलिस अधीक्षक कार्यालय में आयोजित जनता दर्शन के दौरान आमजन की शिकायतों व समस्याओं को गंभीरता से सुना गया। इस दौरान जमीनी, मार-पीट, पारिवारिक विवाद, साइबर संबंधी एवं अन्य प्रकार के प्रकरणों से संबंधित प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए। प्रत्येक प्रकरण पर गंभीरतापूर्वक विचार करते हुए संबंधित अधिकारियों को शीघ्र, निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश दिए गए। जनता दर्शन के माध्यम से पुलिस प्रशासन और आमजन के मध्य संवाद स्थापित कर त्वरित न्याय की भावना को सशक्त करने का प्रयास किया जा रहा है।

सेवा संकल्प अभियान के तहत एक माह तक होंगी विविध गतिविधियां, जिला पंचायत में हुई बैठक

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी/ विदिशा- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन एवं जनसेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक जिले में सेवा संकल्प अभियान आयोजित किया जाएगा। अभियान के तहत सेवा, जनभागीदारी, सुशासन, जनकल्याण, नवाचार एवं विकसित भारत के संकल्प से जुड़ी विविध गतिविधियां होंगी। अभियान का शुभारंभ 17 सितंबर को शाम 7 बजे 'आशीर्वाद का दिया' कार्यक्रम से होगा। इसके साथ ही 'मेरे सपनों का भारत-चित्र सेवा', 'नमो सेवा', 'आंगन मिलन सेवा', 'सेवा की कहानी', 'सेवा ज्योति कलश यात्रा', 'सेवा मेरा योगदान', 'सेवा सेतु अभियान' सहित विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। अभियान के दौरान युवाओं, विद्यार्थियों, महिलाओं, स्वयं सहायता समूहों, सामाजिक संस्थाओं एवं आम नागरिकों की अधिक से अधिक सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। 'सेवा फर्स्ट-इनोवेशन चैलेंज', '25 साल-25 कहानियां' तथा 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' जैसी गतिविधियों के माध्यम से सेवा भावना, नवाचार और विकसित भारत के संकल्प को जनभागीदारी से आगे बढ़ाया जाएगा।जन के संदर्भ में सौंपे गए दायित्वों की बिंदू वार समीक्षा बैठक आज जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गीता कैलाश रघुवंशी की अध्यक्षता में कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता की उपस्थिति में आयोजित की गई थी। जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गीता रघुवंशी ने कहा कि विदिशा जिले में सेवा संकल्प अभियान का प्रभावी क्रियान्वयन किया जाएगा, जिसके लिए प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। उन्होंने जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों-कर्मचारियों से पूरी मेहनत, लगन और समर्पण के साथ कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सभी के समन्वित प्रयासों से अभियान को सफल बनाते हुए विदिशा जिले को प्रदेश में नई पहचान और ख्याति दिलाई जा सकती है। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने कहा कि विदिशा जिले में सेवा संकल्प अभियान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक संचालित किया जाएगा। अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए प्रशासन द्वारा आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करते हुए तैयारियां पूर्ण की गई हैं। उन्होंने जनप्रतिनिधियों तथा प्रशासनिक अधिकारियों-कर्मचारियों से आपसी समन्वय और सहयोग के साथ कार्य करने का आह्वान किया। साथ ही, किसी भी समस्या अथवा उसके समाधान के संबंध में तत्काल अवगत कराने की बात उनके द्वारा कही गई।

कैंट विधायक ने आधुनिक सुविधाओं से युक्त कक्षाओं का किया लोकार्पण

क्यूँ न लिखूँ सच / ब्यूरो / बरेली। जेसीआई बरेली मैग्नेट सिटी का जेसीआई वीक चलाया गया। इसके प्रोजेक्ट प्रगति के तहत भोले शंकर धर्मार्थ माता कमला देवी प्राथमिक विद्यालय परसाखेड़ा की दो कक्षाओं का जीर्णोद्धार और आधुनिकरण कराया गया है। जेसीआई वीक के अंतिम दिन मंगलवार को मुख्य अतिथि कैंट विधानसभा विधायक एवं सह कोषाध्यक्ष संजीव अग्रवाल और महिला अध्यक्ष जेसीआई कविता अग्रवाल ने फीता काटकर लोकार्पण करते हुए दोनों आधुनिक कक्षाओं को विद्यार्थियों और शिक्षकों को समर्पित किया। प्रधानाचार्या नीलम गंगवार ने स्कूल की मूलभूत सुविधाओं को पूरा करने के लिए कैंट विधायक और जेसीआई ग्रुप का आभार व्यक्त किया। इस दौरान जेसीआई बरेली मैग्नेट सिटी अध्यक्ष भरत अग्रवाल, महिला अध्यक्ष कविता अग्रवाल, सचिव जेसीआई शिवांग ग्रोवर, कोषाध्यक्ष मोहित अग्रवाल, निवर्तमान अध्यक्ष जेसीआई निमिति अग्रवाल, उपाध्यक्ष राघव अग्रवाल सहित तमाम जेसीआई सदस्यों ने सहयोग किया।

डीएम ने राजस्व वादों के शीघ्र निस्तारण के दिए निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच / बदायूँ जिलाधिकारी अवनीश राय की अध्यक्षता में सीएम डैशबोर्ड, आपदा एवं बाढ़ से संबंधित बैठक कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने राजस्व न्यायालयों में अत्यधिक पुराने लंबित वादों को शीर्ष प्राथमिकता पर निस्तारित करने के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने तहसीलवार लंबित राजस्व वादों की समीक्षा करते हुए बताया कि धारा 34 के अंतर्गत बदायूँ में 1,951, बिसौली में 1,744, सहसवान में 1,333, दातागंज में 1,242 तथा बिल्सी में 1,152 सहित कुल 7,422 वाद लंबित हैं। धारा 24 के अंतर्गत बदायूँ में 242, दातागंज में 280, बिल्सी में 148, बिसौली में 213 तथा सहसवान में 74 सहित कुल 957 वाद लंबित हैं। इसी प्रकार धारा 116 के अंतर्गत बदायूँ में 643, दातागंज में 420, बिसौली में 304, बिल्सी में 274 तथा सहसवान में 114 सहित कुल 1,755 वाद लंबित हैं। जिलाधिकारी ने समस्त तहसीलदार एवं नायब तहसीलदारों को निर्देश दिए कि 45 दिन से अधिक पुराने लंबित वादों को शीर्ष प्राथमिकता पर निर्धारित समयावधि में निस्तारित करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि राजस्व वादों के निस्तारण में अनावश्यक विलंब न हो तथा प्रत्येक स्तर पर प्रभावी मॉनीटरिंग की जाए। जिलाधिकारी ने मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर प्रदर्शित विभिन्न बिंदुओं की समीक्षा करते हुए समस्त उपजिलाधिकारियों एवं तहसीलदारों को निर्देशित किया कि सीएम डैशबोर्ड से संबंधित सभी बिंदुओं पर शीघ्रता से आवश्यक कार्रवाई करते हुए निर्धारित समयावधि में प्रगति सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी अपने-अपने विभागीय लक्ष्यों की नियमित समीक्षा करें, जिससे आगामी माह में मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर जनपद की रैंकिंग में सुधार हो सके। बैठक में आगामी 18 सितंबर को आयोजित होने वाली मॉक एक्सरसाइज की तैयारियों की भी समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने बताया कि भूकंप, रासायनिक गैस रिसाव एवं अग्नि सुरक्षा जैसी आपदाओं से बचाव तथा जन-धन की हानि को न्यूनतम करने के उद्देश्य से जनपद की सभी तहसीलों में मॉक एक्सरसाइज आयोजित की जाएगी।

उन्होंने सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि मॉक एक्सरसाइज में अपने दायित्वों के अनुरूप समय से पहुंचकर प्रतिभाग करना सुनिश्चित करें, साथ ही आपदा की स्थिति में राहत एवं बचाव कार्यों को प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए विभागीय तैयारियों को समय रहते पूर्ण कर लिया जाए।

गांव के जर्जर रास्ते से ग्रामीण परेशान, आरसीसी सड़क निर्माण की मांग

बरसात में रास्ते पर जलभराव से आवागमन प्रभावित, बच्चों को स्कूल जाने में हो रही परेशानी

क्यूँ न लिखूँ सच / बहराइच। विकास खंड रिसिया के ग्राम सभा करौंदा के मजरा भाग्गड़वा में जर्जर एवं कच्चे रास्ते की समस्या को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी है। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी बहराइच को प्रार्थना पत्र देकर गांव में आरसीसी सड़क का निर्माण कराए जाने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि गांव का मुख्य आवागमन मार्ग काफी समय से खराब हालत में है। बरसात के दिनों में रास्ते पर पानी और कीचड़ जमा हो जाने के कारण लोगों को आने-जाने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। सबसे अधिक दिक्कत स्कूल जाने वाले बच्चों, महिलाओं, बुजुर्गों और बीमार लोगों को होती है।

प्रार्थना पत्र में ग्रामीणों ने बताया कि रास्ता जर्जर होने के कारण बरसात के समय स्थिति और भी खराब हो जाती है। जगह-जगह जलभराव होने से लोगों को मजबूरी में खेतों अथवा दूसरे रास्तों से होकर गुजरना पड़ता है। ग्रामीणों का आरोप है कि लंबे समय से समस्या होने के बावजूद अभी तक सड़क निर्माण की दिशा में प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई है। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी से मांग की है कि मौके का निरीक्षण कराकर गांव के उक्त मार्ग पर आरसीसी सड़क का निर्माण कराया जाए, जिससे आवागमन सुचारु हो सके और बच्चों को स्कूल जाने में परेशानी न उठानी पड़े।

ग्रामीणों ने उम्मीद जताई है कि प्रशासन उनकी समस्या को गंभीरता से लेते हुए जल्द सड़क निर्माण की कार्रवाई करेगा। प्रार्थना पत्र पर बड़ी संख्या में ग्रामीण अतुल साहू शालिक राम साहू हसमत अली आदि के हस्ताक्षर/अंगूठे के निशान भी दर्ज हैं।।

7-8 साल पुरानी रंजिश में फूफा की हत्या, सिरसौद पुलिस ने किया अंधे कत्ल का खुलासा

क्यूँ न लिखूँ सच / राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी। सिरसौद थाना क्षेत्र में 21 अगस्त को हुई मोहर सिंह रावत की हत्या के मामले का पुलिस ने खुलासा करते हुए आरोपी दिलीप रावत निवासी भौराना को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार हत्या के पीछे आरोपी के पिता की करीब 7-8 वर्ष पूर्व हुई संदिग्ध मौत को लेकर चली आ रही रंजिश सामने आई है। आरोपी मृतक का रिश्ते में फूफा बताया गया है। पुलिस के अनुसार 22 अगस्त को मिथुन रावत ने सिरसौद थाने में सूचना दी थी कि उसके पिता मोहर सिंह 21 अगस्त को दिलीप रावत के साथ छिमछिमा मंदिर जाने की बात कहकर निकले थे, लेकिन वापस नहीं लौटे। बाद में जानकारी मिली कि मोहर सिंह का शव रातीकिरार पुलिया के पास सड़क किनारे पड़ा है। मर्ग जांच के दौरान चिकित्सक ने मृतक के सिर पर गंभीर चोटें पाए जाने की जानकारी दी। इसके बाद थाना सिरसौद में अपराध क्रमांक 232/26, धारा 103(1) बीएनएस के तहत हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। ष्टष्टञ्जङ्क से मिला अहम सुराग- पुलिस अधीक्षक यांगचेन डोलकर भूटिया के निर्देशन में थाना सिरसौद पुलिस ने घटनास्थल की जांच कर एफएसएल और साइबर सेल की सहायता से साक्ष्य जुटाए। ष्टष्टञ्जङ्क फुटेज की जांच के दौरान पुलिस को महत्वपूर्ण सुराग मिले, जिसके आधार पर दिलीप रावत पर संदेह हुआ। पुलिस के मुताबिक संदेह के बाद आरोपी गांव छोड़कर फरार हो गया था। उसकी तलाश में अलग-अलग स्थानों पर दबिश दी गई और मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया। पूछताछ में पुरानी रंजिश का खुलासा- पुलिस के अनुसार 14 सितंबर को मुखबिर की सूचना पर दिलीप रावत को मथुरा, उत्तर प्रदेश से आते समय शिवपुरी में अभिरक्षा में लिया गया। पूछताछ में उसने पुलिस को बताया कि करीब 7-8 वर्ष पहले उसके पिता प्रीतम रावत की मौत मोहर सिंह रावत के घर पर संदिग्ध परिस्थितियों में हुई थी। उसे आशंका थी कि उसके पिता की मौत के लिए मोहर सिंह जिम्मेदार हैं। पुलिस के मुताबिक इसी रंजिश के चलते 21 अगस्त को रातीकिरार पुलिया के पास आरोपी ने मोहर सिंह पर हमला किया और उनके सिर पर पत्थर से वार कर हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार आरोपी ने शव को ठिकाने लगाने का प्रयास भी किया, लेकिन शव को अधिक दूर नहीं ले जा सका और मौके से फरार हो गया।

भारतीय श्रमजीवी पत्रकार महासंघ विदिशा जिला इकाई द्वारा सदस्यता अभियान का शुभारंभ किया

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकम सिंह रघुवंशी/ विदिशा ब्लॉक अध्यक्ष वरिष्ठ पत्रकार आर के वासुदेव द्वारा विदिशा ब्लॉक सदस्यता प्रभारी कोमल प्रसाद सेन को नियुक्त किए गए, साथियों आप सभी को सपरिवार गणेश चतुर्थी, हरतालिका तीज की हार्दिक शुभकामनाएं बहुत-बहुत बधाई।आशा है आप स्वस्थ एवं प्रसन्न होंगे और संगठन को मजबूती प्रदान करने के लिय प्रयत्नशील होंगे । जैसा की आप सबको विदित है कि भारतीय श्रमजीवी पत्रकार महासंघ विदिशा इकाई 15 सितंबर से महासंघ का सदस्य अभियान प्रारंभ किया गया , जिला कोषाध्यक्ष सोनू नामदेव द्वारा विदिशा ब्लॉक सदस्य प्रभारी के लिए सोनू नाम कोमल प्रसाद नामदेव जी का नाम रखा गया जिसमें विदिशा के सभी साथियों सहमति दर्शी गई जिससे कमल प्रसाद सेन को विदिशा ब्लॉक सदस्य प्रभारी नियुक्त किए गए। आप सब जानते है सदस्यता संघठन की मूल शक्ति होती है।इसी को सार्थक रूप देने के लिय 15 सितंबर से हम सब मिलकर 2027 का सदस्यता अभियान का श्री गणेश किया। याद रहे यह केवल सदस्यता प्रभारियों की जिम्मेदारी तक सीमित नहीं है। यह हम सभी की संयुक्त जिम्मेदारी और नैतिक कर्तव्य है। सदस्य बैठक में जिला अध्यक्ष हाकम सिंह विदिशा ब्लॉक अध्यक्ष आर के वासुदेव जिला कोषाध्यक्ष सोनू नामदेव, राकेश जैन और सदस्यता प्रभारी कोमल प्रसाद सेन सहित संगठन के सदस्य प्रकाश लोधी, गोविंद शर्मा, अमित श्रीवास्तव सहित अनेकों सदस्य मौजूद थे।

What should I do first if I cut, burn, or sprain my hand? These first aid rules will come in handy.

People keep a first aid box at home but don't know how to use it properly. It's very common to suffer cuts, burns, or sprains while working around the house, but it's not uncommon to not treat these problems promptly. Having a first aid box in place can help prevent the injury or wound from worsening. However, some people, even after having first aid, don't know how to properly treat it, which is the most important requirement. So, let's explain the appropriate first aid treatment for different types of injuries and wounds. What should I do if I get burned by oil or steam? If you get burned by hot oil or steam while cooking, the first thing you should do is wash the area with water immediately. Remember not to apply ice immediately; instead, apply aloe vera gel or cooling gel. If the burn causes blisters on your hands or private parts, consult a doctor instead of treating them at home. What should I do if I get a sprain or fracture? There's no need to panic if you suffer a minor sprain. Follow the RICE formula: rest, ice pack, compression, and elevation. This method provides immediate relief. It's important to consult a doctor if you have a deep bone injury, unbearable pain even without movement, or if painkillers don't provide relief. What to do if you get a cut? Minor cuts while working in the kitchen are a common occurrence. Instead of rinsing with water, apply firm pressure with a clean cloth. Only then should you rinse with water and apply an antibiotic. Consult a doctor if the cut is very deep, bleeding unstoppable, or if glass is embedded in the cut. What to do if you suffer a head injury? Children hitting their heads against a wall or heavy furniture while playing can cause dizziness, blurred vision, and even fainting. Use an ice pack to relieve this at home. In serious cases, if there is dizziness, vomiting and difficulty in speaking, it is wise to contact a doctor.

This special Bengali dish doubles the taste of dal and rice; the spicy 'Baingan Bhaja' is prepared instantly on the pan.

The recipe is so simple that anyone can make it in no time. All you need is a large, round eggplant, a little mustard oil, and basic home-made spices. A typical Bengali dish to serve with dal and rice, the crispy and delicious Baingan Bhaja is prepared instantly on the pan - crispy on the outside and soft on the inside, incredibly easy to make. In Indian homes, there's hardly any meal more comforting than dal and rice. After a tiring day, a hot plate of dal and rice washes away all the fatigue. However, pairing this simple meal with a spicy and crispy side dish increases the enjoyment tenfold. Today, we're going to tell you about one such wonderful Bengali dish that will add magic to your meal. Yes, it's called 'Baingan Bhaja'. Baingan Bhaja is a very famous dish in Bengal, which means spicy eggplant grilled on a pan. This dish is a popular delicacy in almost every household in Bengal. Its greatest advantage is that it doesn't require long hours in the kitchen or any special preparation. Crispy on the outside and buttery soft on the inside, this dish melts in your mouth. Ingredients for Baingan Bhaja: Eggplant: 1 large and round (stuffed eggplant) Turmeric powder: 1/2 tsp Red chili powder: 1 tsp (you can adjust the spiciness according to your preference) Coriander powder: 1 tsp Cumin powder: 1/2 tsp Dry mango powder or chaat masala: 1/2 tsp (for a nice sour taste) Salt: to taste Rice flour or gram flour: 2 tsp (this makes the eggplant very crispy) Mustard oil: 3-4 tbsp (for frying on the pan) Step by step recipe for Baingan Bhaja: First, wash the eggplant thoroughly and wipe it with a clean cloth. Now cut it into round and slightly thick pieces. Be careful not to make the pieces too thin, otherwise they will melt and break on the pan. Now take a large plate or bowl. Add turmeric, red chili powder, coriander powder, cumin powder, mango powder, salt, and rice flour or gram flour, mixing all the dry ingredients thoroughly. Now, take each slice of eggplant and coat both sides with the dry spices. Press the spices lightly with your fingers to ensure they adhere well to the eggplant. Apply the spices to all the pieces and set them aside for 10 to 15 minutes. This will allow the eggplant to release some of its water and allow the spices to set inside. Place a griddle or flat pan on the stove. Add 2-3 tablespoons of mustard oil and let it heat thoroughly. When the oil begins to smoke slightly, reduce the heat to low or medium. Place the spice-coated eggplant pieces one by one on the griddle. Place as many pieces as will comfortably fit at a time. Let them cook on low to medium heat for 3-4 minutes. When one side becomes golden and crispy, carefully flip them over. Grill the eggplant on the other side for 3-4 minutes. When the eggplant is soft on the inside and crispy on the outside, remove it to a plate. Your spicy and crispy eggplant bhaja is ready. Serve it with hot lentils, rice, and a little ghee. Eaters will be licking their fingers.

Urad dal 'Dubki Kadhi' is made in Chhattisgarh and Jharkhand, and the taste is so delicious you'll be licking your fingers; note the recipe.

This time, instead of the usual gram flour curry, try this delicious urad dal curry. You've likely eaten gram flour pakodas and onion curry many times, but have you ever tasted Barai Kadhi? This is a traditional dish made in Chhattisgarh and Jharkhand, also known as Dubki Kadhi. This curry is special because it's made with urad dal. Barai, also known as Dubki Kadhi, is a recipe for the lentil dumplings called 'Bari'. This curry is a great option for both taste and health. Let us know its secret recipe: Ingredients - 3-4 cups unpeeled urad dal 1 litre buttermilk 10-12 curry leaves 4-5 green chillies 1 dry red chilli - 1/2 inch grated ginger 2 tbsp mustard oil 1/2 tsp fenugreek seeds 1/2 tsp mustard seeds 1 tsp cumin seeds 1 tsp turmeric powder 1 tsp red chilli powder 1 tsp black pepper powder 1 tsp coriander powder 1 tbsp whole coriander leaves 2 medium sized onions chopped in slices Salt to taste Ingredients for tempering 3-4 finely chopped garlic cloves - 1/2 inch finely chopped ginger 1 tbsp oil 1 tsp asafoetida 1/2 tsp celery 1 tsp red chilli powder Method - To make Dubki Kadhi or Barai, wash the urad dal and soak it for at least 3-4 hours. In the next step, add cumin seeds, coriander seeds, black peppercorns, and finely chopped green chilies and ginger to the lentils and grind them coarsely in a mixer. Be careful not to add too much water to the lentils; keep them slightly thick. Now, take 1 liter of buttermilk and mix in 1-2 teaspoons of coarsely ground urad dal, just as you would when making gram flour curry. Take a large iron pan and place it on the stove. Heat mustard oil in it. Then, fry the dried red chilies, cumin seeds, and fenugreek seeds. Then add curry leaves and then the onion. After the onion is fried, add turmeric, red chili, and coriander powder and let it cook for a while. In this step, slowly pour the buttermilk into the pan and stir continuously over high heat. Stop only when it starts to sizzle. Add salt to taste. Let it cook for a while on low heat, while preparing the lentil mangodi. After this, add the tempering to the curry. For this, add 1 teaspoon of mustard oil to a small pan and fry garlic, celery, asafoetida, and dried red chilies. After pouring this tempering over the curry, mix in the lentil mangodi. Your special urad dal dip curry is ready.

Aamir Khan to star in a superhero avatar on the big screen? Sajid Nadiadwala and R. Balki have joined forces.

Aamir Khan may be starring in a new superhero film, produced by Sajid Nadiadwala and directed by R. Balki. Last year, it was reported that Aamir Khan would play a superhero in Lokesh Kanagaraj's action film. However, this potential collaboration was canceled after the poor response to "Coolie." Now, it appears that Aamir Khan will be playing a superhero in another film. Sajid Nadiadwala to be a producer - Aamir Khan is reportedly in talks with producer Sajid Nadiadwala for a new superhero film. The film will be directed by R. Balki and is reportedly in its early stages. The film is currently in its initial stages, with screenwriting work underway. According to a report in Bollywood Hungama, Aamir Khan has been approached for the project and has expressed interest, but he has not yet officially signed on. Screenplay in progress - The filmmakers will spend the next few months working on the story, screenplay, and lead character. Since the film is being made on a large scale, its production design and overall look will also need to be finalized before moving forward. Aamir is known for taking his time before signing a film and usually prefers to commit to a film only after the script is ready. According to reports, the producers are working with him on the story. Mr. Perfectionist will play such a role for the first time - If everything goes as planned, this will be Aamir Khan's first collaboration with producer Sajid Nadiadwala and director R. Balki. R Balki is known for directing films like "Cheeni Kum," "Paa," "Ki & Ka," "Pad Man," "Chup: Revenge of the Artist," and "Ghoomar." This will be Aamir Khan's first time playing a superhero on the big screen. It will also be his first action film in almost a decade, following the 2018 flop "Thugs of Hindostan."

The story of a 'battle' between a bandit and the police became a topper on OTT platforms. The new film took over Zee5 as soon as it arrived.

A new film was recently released on the OTT platform Zee5, which has now become the number one spot. This film, which became the number one spot on Zee5, is a crime thriller, directed by this director. Along with the big screen, the latest films are also being released directly on OTT platforms these days. Recently, a crime thriller film was streamed online on the popular OTT platform Zee5, depicting a fierce battle between the police and a dangerous bandit. This film has become a must-watch as soon as it arrived on Zee5 and is currently trending at number one. Let's find out which new movie is being discussed in this article. This film became the number one spot on Zee5. The film being discussed in this article is directed by Tigmanshu Dhulia, director of cult classics like Paan Singh Tomar. The title of the movie is Ghamasan. Yes, Ghamasan was released on the OTT platform ZEE5 on September 11th, and with its brilliant story, it has won the hearts of the audience. The 2-hour 30-minute long Ghamasan has received a positive response from critics and audiences, making it a topic of discussion everywhere and currently trending at number 1 on ZEE5. Regarding Ghamasan's story, its plot is inspired by Dadua, a dreaded dacoit from Uttar Pradesh, played by actor Arshad Warsi. To stop Daku Maharaj's brutality and political turmoil in the state, Aditya Singh (Pratik Gandhi), a brave police officer from the Special Task Force, is sent there. How Aditya and his team confront Daku Maharaj and his bandits is the true thrill of Ghamasan. Overall, Ghamasan is a must-watch movie. Cast of Ghamasan - Talking about the cast of the film Ghamasan, apart from Arshad Warsi and Pratik Gandhi, many actors like Ishita Dutta, Rajpal Yadav and Jatin Goswami have played important roles in this crime thriller movie.

Who are Bharata and Shatrughan, and who plays Urmila? A new song from Ramayana reveals these characters; gives a first glimpse

The first song from the film "Ramayana," "Jai Jai Ram," was released on Ganesh Chaturthi, giving a first glimpse of several key characters, including Ranbir Kapoor and Sai Pallavi. On the occasion of Ganesh Chaturthi, the makers of "Ramayana" released the film's first song, "Jai Jai Ram." It's sung by Arijit Singh and Shreya Ghoshal and composed by AR Rahman. As soon as the song premiered, people started praising it. In addition to the characters played by Ranbir Kapoor, Sai Pallavi, Ravi Dubey, Lara Dutta, and Arun Govil, the song also offers a first glimpse of several other important characters. Bharata, Shatrughan, Urmila, Shrutkirti, and Mandavi are also seen in the song. This song was filmed during the wedding celebrations of Rama and Sita. Let's take a look at the photos to see which characters appear where. Adinath Kothare as Bharata - The character of Bharata is crucial in the epic, as it was to secure Bharata's future as king that his mother, Kaikeyi, requested Lord Rama to go into exile for 14 years. This role is being played by Marathi actor Adinath Kothare. Nitish Sharma as Shatrughan - Meanwhile, actor Nitish Sharma has been cast to play Shatrughan, the youngest of four brothers and Lakshmana's younger brother. He is also an athlete, storyteller, and anchor. Talking about his role, Nitish shared a video on Instagram, recalling a difficult period in his career. Nitish explained that he was supposed to work with a major production house. Everything was finalized, but he was suddenly replaced. The actor returned to his village, heartbroken. She then received a call from Mukesh Chhabra Casting and was finalized for Ramayan. Surbhi Das as Shrutkirti Assamese actress Surbhi Das plays Shrutkirti, Sita's younger sister and Shatrughna's wife in the film. Her journey to the film was unexpected, as she admitted she had no idea the scale of the project at the time of auditioning. Disillusioned by mistreatment on television, among other reasons, Surbhi was trying her luck in digital projects and films when she auditioned for the role. Speaking to Mid-Day, the Pandya Store actress said, "At that time, I didn't understand that this project was worth crores. But gradually I understood, and I am very excited." - Sonia Balani as Urmila - Sonia Balani, who has worked in Bade Achhe Lagte Hain and The Kerala Story, will play Urmila, Sita's cousin and Lakshman's wife. Sonia originally wanted to play Surpanakha. But when she learned that the role had been offered to Rakul Preet Singh, she auditioned for Urmila. Rhea Kapoor and Mandavi have previously appeared in small roles in the Telugu film "Miss Terrible" and the Hindi web show "Sampoorna." In the film, she will play Mandavi, Sita's cousin and Bharata's wife. Urmila and Mandavi are sisters, children of King Kushdhwaj and Queen Chandrabhaga. Kushdhwaj is the brother and sister-in-law of Sita's father, King Janak. The trailer has already introduced the audience to several other characters. Indira Krishna will be seen as Queen Kaushalya, Sonal Jha as Sumitra, and Lara Dutta as Kaikeyi. Ranbir Kapoor will also be seen playing Parashurama. Arun Govil plays King Dasharatha, while Ravi Dubey plays Lakshman and Sheeba Chaddha as Manthara. Actor Vivek Oberoi plays Vidyutjeev (Surpanakha's husband). The filmmakers have not yet revealed the look of Lord Hanuman, who will be played by Sunny Deol.